राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 24 दिसंबर 2023 वर्ष-6,अंक-329 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा की सरकार ने गुजरात में भी दी शराबबंदी कानून में ढील, बिहार में तेज होती मांग

नई दिल्ली। देश के कुछ राज्यों में शारबबंदी कानून लागू है। बिहार से पहले गुजरात और मणिपुर जैसे राज्य उनमें शामिल हैं। मणिपुर में हाल ही में 30 साल पुराने उस कानून को खत्म कर दिया गया, जिसमें शराब पीना, बेचना या खरीदना अपराध था। इसके बाद गुजरात में भी इसके सेवन की शर्तों में छूट दी गई है। गुजरात सरकार ने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट) में होटलों, रेस्टोरेंट और क्लबों में शराब पीने की इजाजत दे दी है। यहां काम करने वाले कर्मचारियों और मालिकों को शराब एक्सेस परमिट दिया जाएगा। इससे पहले हाल ही में मणिपुर में भाजपा की सरकार ने 30 साल से अधिक समय के बाद शराब पर प्रतिबंध हटाने का फैसला किया था। कैबिनेट ने राज्य का राजस्व बढ़ाने और जहरीली शराब की सप्लाई रोकने के लिए शराब नीति में सुधार किया है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने राज्य में 30 साल से अधिक के प्रतिबंध के बाद शराब के निर्माण, उत्पादन, कब्जे, निर्यात, आयात, परिवहन, खरीद, बिक्री और खपत को मंजूरी दे दी थी। सितंबर 2022 में शराबबंदी पर लगे प्रतिबंध को आंशिक रूप से हटा दिया गया था। आपको बता दें कि शराबबंदी एक बहुत ही संवेदनशील विषय है। इस विषय पर कोई भी सरकार किसी तरह का फैसला लेने से पहले कई बार सोच-विचार करती है। टैक्स की दृष्टि से यह सरकार के लिए कमाई का अहम जरिया है। मणिपुर की बात करें तो वहां शराबबंदी कानून हटाने से 600-700 करोड़ रुपये की कमाई होगी। सरकार ने यह भी दावा किया है कि इससे अवैध शराब की बिक्री और नशीली दवाओं के प्रसार के खतरे से निपटने में भी मदद मिलेगी। बिहार में नीतीश कुमार ने महिलाओं की मांग पर इसका ऐलान किया था। इस मुद्दे पर अब खूब राजनीति होती है। जीतनराम मांझी जैसे नेता खुलकर इसकी खिलाफत करते हैं। सत्ता में आने से पहले आरजेडी के भी कई नेता इसके खिलाफ बोलते आए हैं। हालांकि, लालू यादव की पार्टी इस मुद्दे पर संभलकर ही बोलती है। हाल ही में कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज ने एक बार फिर बिहार सरकार से मणिपुर सरकार के फैसले की तरह राज्य में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध हटाने की अपील की थी।

बीजेपी ने 2024 चुनाव में अपनी 350 प्लस लोकसभा सीटों का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी सरकार केंद्र में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करने के लिए तैयार है, जबकि अगले साल मई में होने वाले आम चुनावों में पार्टी ने 350 से अधिक लोकसभा सीटों का लक्ष्य रखा है। साल 2024 भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि पार्टी पंचायत स्तर पर चुनाव जीतने से लेकर संसद की ओर कदम बढ़ाते हुए सत्ता को मजबूत करना चाहती है। भाजपा न केवल 2024 का आम चुनाव जीतकर केंद्र में तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाना चाहती है, बल्कि इससे यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि भारत की जनता ने स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार में अपना विश्वास जताया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में तीसरा कार्यकाल हासिल कर बीजेपी के केंद्र की सत्ता में वापस आने के बाद, भगवा पार्टी देश के पहले प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता जवाहरलाल नेहरू के पीएम बनने की बराबरी कर देश में एक नया रिकॉर्ड बनाएगी। 1947 में भारत की आजादी के बाद नेहरू लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव जीते थे । 2024 में सत्ता में वापस आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस रिकॉर्ड की भी बराबरी कर लेंगे। 2019 के लोकसभा चुनाव में अकेले दम पर करीब 38 फीसदी वोट हासिल कर 303 सीटें जीतने वाली बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 350 प्लस सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पार्टी कई मोर्चों पर एक साथ काम कर रही है। अगर बीजेपी अकेले 350 प्लस सीटों का लक्ष्य हासिल कर लेती है, तो एनडीए सहयोगियों के साथ मिलकर आगामी आम चुनाव में उसकी सीटों की संख्या 400 के आसपास पहुंच जाएगी। केंद्र में लगातार तीसरी बार अपनी सरकार बनाने के लिए बीजेपी ने एक साल से अधिक समय पहले 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी थी। एक तरफ पार्टी 2019 के लोकसभा चुनाव में मिली

303 सीटों पर पूरा फोकस कर रही है, वहीं दूसरी तरफ देश की 160 कमजोर सीटों पर भी खास तैयारी कर रही है। इन 160 लोकसभा सीटों में सोनिया गांधी की रायबरेली, अखिलेश यादव के परिवार का गढ़ मैनपुरी, शरद पवार के परिवार का गढ़ बारामती के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत की वे सीटें शामिल हैं जहां पार्टी 2019 लोकसभा चुनाव में जीत नहीं पाई थी।

इन 160 लोकसभा सीटों पर फोकस करते हुए भगवा पार्टी लंबे समय से अपने दिग्गज मंत्रियों और नेताओं को इन संसदीय क्षेत्रों में तैनात कर लोकसभा प्रवास योजना अभियान चला रही है। इन सभी 160 लोकसभा क्षेत्रों में प्रत्येक विधानसभा सीट पर स्थानीय पार्टी नेताओं को तैनात करने का भी निर्णय लिया गया है।

इन 160 लोकसभा क्षेत्रों के अंतर्गत राज्य विधानसभा की लगभग 1,000 सीटें आती हैं। बीजेपी ने पहले फैसला किया था कि वह देश की उन 160 लोकसभा सीटों पर चुनाव की घोषणा से पहले ही पर्यवेक्षक तैनात कर देगी, जिन्हें बीजेपी के लिए कमजोर सीटें माना जा रहा है. बाद में इसकी संख्या बढ़ती गई और अब बीजेपी देश की सभी 543 लोकसभा सीटों पर पर्यवेक्षक तैनात कर रही है।

एक तरफ बीजेपी प्रचार के पारंपरिक माध्यम यानी लोकसभा प्रवास योजना विस्तारक योजना और विकास भारत संकल्प यात्रा जैसे अभियानों के जरिए मतदाताओं से सीधे जुड़ रही है और लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, दूसरी ओर, भगवा पार्टी भी देश भर में कॉल सेंटर स्थापित करके नमो ऐप जैसे आधुनिक संचार माध्यमों का भरपूर उपयोग कर रही है। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा से पहले ही पार्टी अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा शुरू कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। बीजेपी के लोकसभा उम्मीदवारों की पहली सूची जनवरी के अंत या फरवरी के पहले हफ्ते में जारी हो सकती है। नए साल में लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी जल्द ही चुनाव घोषणापत्र और चुनाव अभियान समिति का भी गठन करेगी। बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अपना एजेंडा भी स्पष्ट कर दिया है कि एक तरफ पार्टी मोदी सरकार की उपलब्धियों और उसके विकास के एजेंडे को जनता के सामने उजागर करने के लिए कल्याणकारी योजना के लाभार्थियों को लक्ष्य बनाएगी, वहीं दूसरी तरफ वह अपना ध्यान अयोध्या मंदिर पर केंद्रित करेगी। दूसरी ओर, बीजेपी विपक्षी दल इंडिया गुट को अहंकारी गठबंधन और इंडी एलायंस कहकर संबोधित करते हुए लगातार सनातन धर्म, राम मंदिर निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगी, ताकि खासकर मतदाता युवाओं, भगवा पार्टी तक पहुंचें।

कोलकाता का ब्रिगेड परेड मैदान विश्व रिकॉर्ड बनाने को तैयार!

कोलकाता। कोलकाता का ब्रिगेड परेड मैदान में विश्व रिकॉर्ड बनाने को तैयार है। यहां रविवार (24 दिसंबर) को एक साथ कम से कम एक लाख लोग गीता पाठ करेंगे। हालांकि गीता पाठ के लिए अभी तक एक लाख 30 हजार लोग पंजीकरण करा चुके हैं। आयोजकों का कहना है कि इस कार्यक्रम में दक्षिण बंगाल के लोगों को अधिक भागीदारी होगी। उनके लिए 10 लोकल ट्रेन बुक हैं। उत्तर बंगाल से कोई ट्रेन गीता पाठ करने वालों को लेकर नहीं पहुंचेगी। नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी भी इस आयोजन में मुख्य चेहरा हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय संकट की वजह से उत्तर बंगाल से लोगों को नहीं लाया जा पा रहा है। एक आयोजक ने बताया कि 60 हजार महिलाएं एक

साथ शंख बजाएंगी और 70 हजार लोग गीता पाठ से पहले हे पार्थ सारथी बजाओ बजाओ... गीत गाएंगे। पहले तय किया गया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि होंगे और उनके साथ द्वारिका पीठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के आने का कार्यक्रम टल गया है लेकिन सदानंद सरस्वती इसमें शामिल होंगे। गीता पाठ की अंतिम तैयारियां चल रही हैं। शनिवार शाम तक सारी तैयारी हो जाएगी। ब्रिगेड परेड मैदान में विक्टोरिया मेमोरियल के ठीक सामने दो बड़े मंच बन रहे हैं। एक पर मुख्य अतिथि रहेंगे और दूसरे पर हे पार्थ सारथी बजाओ बजाओ.. गीत शुरू होगा। कोलकाता पुलिस ने इस आयोजन के लिए सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की है।

अखनूर में घुसपैठ की बड़ी कोशिश को सेना ने नाकाम किया

शव घसीटकर ले गए पाकिस्तान से आए आतंकी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने शुक्रवार देर रात जम्मू के अखनूर में खौर की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया है। निगरानी उपकरणों के माध्यम से चार आतंकवादियों की संदिग्ध हरकत देखी गई। जिसके बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई की। सेना ने कहा कि आतंकवादियों को एक शव को सीमा के पार घसीटते हुए देखा गया। आपको बता दें कि पाकिस्तानी आतंकवादियों के द्वारा सर्दी के महीने में अक्सर घुसपैठ की कोशिश की जाती है। सीमा पर तैनात भारतीय सेना और बीएसएफ के जवान उनकी कोशिशों पर अक्सर पानी फेर देते हैं। हालांकि, बर्फ की वजह से कभी कबार आतंकियों को अपने इस नापाक मंसूबों को अंजाम तक पहुंचाने में सफलता भी मिल जाती है।

अधिकारियों ने बताया कि यह ऑपरेशन तब हुआ जब चार भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह को अखनूर के खौर सेक्टर में आईबी के पार से इस ओर घुसने का प्रयास करते देखा

गया। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों पर गोलीबारी की और उनमें से एक को गोली लग गई और वह गिर गया। उसके शव को आतंकी घसीटकर पाकिस्तान की तरफ लेकर चले गए। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अखनूर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई। 22/23 दिसंबर की रात को अपने निगरानी उपकरणों के माध्यम से चार आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई। प्रभावी ढंग से गोलीबारी की गई। आतंकवादियों को एक शव को घसीटते हुए देखा गया। आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा सेना के वाहनों पर की गई गोलीबारी के एक दिन बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने शुक्रवार को राजौरी-पुंछ जिले के डेरा की गली में घटनास्थल का दौरा किया और 30 संदिग्धों को हिरासत में लिया। गौरतलब है कि गुरुवार को राजौरी में सेना के जवानों को ले जा रहे वाहन पर आतंकवादी हमले में छह जवान शहीद और अन्य दो घायल हुए थे।

देश में कोरोना के 423 नए मरीज, चार ने दम तोड़ा

स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना के नए मरीज केरल के अलावा अन्य राज्यों में भी बढ़े हैं। इनमें 22 मरीजों में कोरोना के नए वेरियंट जेएन.1 की पुष्टि हुई है।

नई दिल्ली। देश में केरल के साथ अन्य राज्यों में भी कोरोना ने रफ्तार पकड़ ली है। पिछले 24 घंटे के दौरान देश में 423 नए मरीज सामने आए हैं। इस अवधि में चार मरीजों ने दम तोड़ दिया। सबसे ज्यादा मरीज 266 केरल में मिले हैं। यहां दो मरीजों को मौत की पुष्टि हुई है। एक मरीज की मौत कर्नाटक और एक मरीज की मौत राजस्थान में हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना के नए मरीज केरल के अलावा अन्य राज्यों में भी बढ़े हैं। इनमें 22 मरीजों में कोरोना के नए वेरियंट जेएन.1 की पुष्टि हुई है। आंकड़ों के अनुसार कर्नाटक में कोरोना के 70 , महाराष्ट्र में 15, गुजरात में 12, गोवा में 8, आंध्र प्रदेश में 8, तमिलनाडु में 13, उत्तर प्रदेश में 4, तेलंगाना में 8 मरीज सामने आएं हैं। कर्नाटक में कोरोना तेज गति से फैल रहा है।

राजस्थान में भजनलाल शर्मा के कैबिनेट विस्तार में देरी, कहीं तूफान के पहले की शांति तो नहीं?

जयपुर। राजस्थान में मंत्रिमंडल के विस्तार में देरी पर सवाल उठने लगे है। सीएम भजनलाल शर्मा के शपथ लेने के बाद पार्टी के बड़े नेताओं का बयान भी इस संबंध में नहीं आया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत समेत बड़े नेता चुप्पी साधे हुए हैं। जबकि वसुंधरा राजे कैंप पूरी तरह से खामोश है। सियासी जानकार बड़े नेताओं के चुप्पी की अलग-अलग सियासी मायने निकाल रहे हैं।दूसरी तरफ मंत्रिमंडल के लिए विधायकों की लॉबिंग शुरू हो गई है। जयपुर के साथ-साथ विधायक दिल्ली तक संपर्क साध रहे हैं। वहीं कुछ विधायक ऐसे भी हैं, जो समर्थकों के जरिए अपनी बात पार्टी नेताओं तक पहुंचा रहे हैं। हाल ही में ब्राह्मण समाज ने कोटा दक्षिण विधानसभा सीट से जीते विधायक संदीप शर्मा को मंत्री बनाने की आवाज उठाई। समाज के लिए कई लोगों ने हवन-पूजन कर संदीप को मंत्री बनाने की आवाज बुलंद की। किरोड़ी लाल मीणाा को भी मंत्री बनाने की मांग की जा रही है। किरोड़ी समर्थकों ने सोशल मीडिया पर मुहिम चला रखी है। आपको बता दें 3 दिसंबर

को परिणाम आ गए थे। बीजेपी को विधानसभा में बहुमत मिला है। इसके बावजूद मंत्रिमंडल के विस्तार में देरी हो रही है। जबकि सीएम भजनलाल शर्मा और दोनो उपमुख्यमंत्री दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर राजधानी जयपुर लौट आए हैं।

पार्टी नेताओं की अलग-अलग राय

सियासी जानकारों का कहना है कि मंत्री किसे बनाया जाए, किसे नहीं, इसको लेकर पेच फंसा हुई है। चर्चा है कि अमित शाह पुराने और अनुभवी नेताओं को मंत्री नहीं बनाए जाने के पक्ष में हैं। जबकि पार्टी का दूसरा खेमा चाहता है कि वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी नहीं की जाए। यहीं मामला फंसा हुआ है। कुछ नेताओं का कहना है कि लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर मंत्रिमंडल का गठन करना चाहिए।

वसुंधरा राजे की चुप्पी से सस्पेंस

राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने सीएम भजनलाल शर्मा के शपथ लेने के बाद से कोई बड़ा राजनीतिक बयान नहीं दिया है। चुप्पी के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। इस बीच, पूर्व सीएम के आसास पर हलचल बढ़ने से सियासी पारा भी गर्मा गया है। राजे समर्थकों ने मुलाकात की है। माना जा रहा है कि इस बार भजनलाल कैबिनेट में राजे समर्थक विधायकों मंत्री नहीं बनाया जाएगा।बुधवार को 16वीं विधासनभा का पहला सत्र शुरू हुआ। सत्र के पहले दिन नव निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के बाद देर शाम मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा दिल्ली रवाना हो गए। मुख्यमंत्री तीन दिन में दूसरी बार दिल्ली पहुंचे। सीएम दिल्ली से लौट आए है। सीएम ने पीएम मोदी और अमित शाह समेत पार्टी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है। राजस्थान में सीएम, डिप्टी सीएम और स्पीकर के नाम की घोषणा के बाद अब सबकी निगाहें मंत्रिमंडल के विस्तार पर टिकी है। राजस्थान में विधायकों की संख्याबल के हिसाब से अधिकतम 30 मंत्री बनाए जा सकते हैं। मुंख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीया कुमार और प्रेम चंद बैरवा के रूप में तीन मंत्रियों की घोषणा पहले ही हो चुकी है। ऐसे में अब 27 विधायक मंत्रिपद की रेस में शामिल हैं।

घना कोहरा बढ़ाएगा परेशानी, कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

● राजधानी दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3 प्वाइंट तक बढ़ सकता है जो 9 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाएगा। अगर अधिकतम तापमान की बात करें तो यह 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

नई दिल्ली। ठंड अब धीरे-धीरे अपना पूरा असर दिखाने लगी है। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में कंपकपी बढ़ती जा रही है। सुबह और शाम के वक्त घना कोहरा छाया रहा है मगर दोपहर में धूप खिलने से थोड़ी राहत जरूरत मिल जाती है। हालांकि, पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी के चलते हवाओं में गलन बढ़ने लगी है। ताजा पश्चिमी विक्षोभ भी अपना असर दिखाना शुरू कर चुका है जिससे आने वाले दिनों में सर्दी और ज्यादा बढ़ने वाली है। इस बीच, मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत कई इलाकों को लेकर अच्छी खबर दी है। शनिवार को ठंड से कुछ राहत मिल सकती है और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी का अनुमान है।

राजधानी दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 3 प्वाइंट तक बढ़ सकता है जो 9 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाएगा। अगर अधिकतम तापमान की बात करें तो यह 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ इलाकों में आज बूंदाबांदी होने की भी संभावना है जिससे हवाओं में ठंड बढ़ जाएगी। ऐसे में इन जगहों पर न्यूनतम तापमान गिर सकता है और ठिठुरन बढ़ सकती है। दिल्लीवालों को शनिवार को भी कोहरे से राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग ने कोहरे को लेकर आज के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। लोगों को यह सलाह दी गई है कि सुबह और देर शाम के वक्त यातायात के दौरान सावधान रहें।

यूपी में घने कोहरे की पड़ रही मार

उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। तापमान गिरने से यहां सुबह और शाम के वक्त कंपकपी होने लगती है। मगर, यूपी के लोगों के लिए आज अच्छी खबर है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को लखनऊ समेत दूसरे इलाकों में शीतलहर से कुछ राहत मिल सकती है। विभाग की ओर से बताया गया कि अफगानिस्तान के आसपास पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है जिससे यूपी के अलग-अलग इलाकों में बादलों की आवाजाही देखी जा सकती है। हालांकि, इससे बारिश होने की संभावना कम है और दोपहर में हल्की धूप खिली रहेगी। राज्य के पूर्वांचल समेत कुछ अन्य इलाकों में कोहरे की मार जारी रहेगी। सुबह में घना कोहरा छाया रहेगा जिससे यातायात में दिक्कतें हो सकती हैं।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, केरल समेत इन इलाकों में बारिश-पंजाब और हरियाणा के ज्यादातर हिस्से कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं। साथ ही कोहरे की मार भी पड़ रही है। मौसम विज्ञानिकों का अनुमान है कि शनिवार को भी घने कोहरे का सामना करना पड़ सकता है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में शनिवार को बारिश होने की संभावना है। साथ ही यहां पर बर्फबारी देखने को मिल सकती है। ऐसे में जो पर्यटक इन राज्यों में घूमने गए हैं वे बर्फबारी का पूरा आनंद उठा सकते हैं। शनिवार और रविवार को उत्तरखांड में भी कुछ ऐसा ही मौसम रहने वाला है जहां हल्की बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। अब दक्षिण भारत की बात कर लेते हैं। तमिलनाडु और केरल में बीते कुछ दिनों से हर दिन बारिश हो रही है और आज भी यह सिलसिला जारी रहने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु, केरल में आज हल्की बरसात हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

इस सत्र का हासिल

सतरहवीं लोकसभा, बल्कि संसद का शीतकालीन सत्र जिस तरह से संपन्न हुआ, वह सत्ता पक्ष और विपक्ष, किसी के लिए बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता। वैसे तो हरेक सत्र से देश को एक सकारात्मक दिशा मिलने की अपेक्षा रहती है, मगर इस सत्र से खास उम्मीद थी, क्योंकि यह न सिर्फ नए संसद भवन का पहला पूर्णकालिक सत्र था, बल्कि यह लोकसभा अपने आखिरी पड़ाव पर है। इसका अगला सत्र बजट का होगा और उसके बाद तमाम सांसद आम चुनाव में चले जाएंगे। मगर दुर्योग से इसके हिस्से आजाद भारत के संसदीय इतिहास में सर्वाधिक सांसदों के निलंबन का नकारात्मक रिकॉर्ड तो दर्ज हुआ ही, यह संसद की सुरक्षा में सेंध की गंभीर चिंता भी छोड़ गया। निस्संदेह, सरकार इस सत्र में कई ऐतिहासिक विधेयकों को पारित कराने में सफल रही, खासकर आईपीसी, सीआरपीसी व साक्ष्य अधिनियम की जगह भारतीय न्याय संहिता को पारित किए जाने के लिए इसे भावी पीढ़ियां याद करेंगी। मगर इनके साथ यह तथ्य भी नत्थी होगा कि जब यह विधेयक दोनों सदनों से पारित हो रहा था, तब विपक्षी बेंचें लगभग खाली थीं। यह एक सुखद तस्वीर नहीं हो सकती। संसद में गतिरोध या सत्ता पक्ष व विपक्ष में तनातनी कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह जीवंत लोकतंत्र का एक लाजिम पहलू है, मगर इसकी भी एक सीमा है और उसका ख्याल दोनों पक्षों को रखना पड़ता है। निस्संदेह, सदनों के संचालन में महती जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है और प्रायः संसदीय कार्य मंत्री की काबिलियत ही बेहतर 'फ्लोर मैनेजमेंट' के आधार पर आंकी जाती है। मगर विडंबना यह है कि हाल के वर्षों में केंद्रीय विधायिका की बात हो या फिर राज्य विधायिकाओं की, संसदीय गतिरोधों के दौरान अक्सर विभागीय मंत्रियों की सक्रियता उभरकर सामने नहीं आती। संसदीय कार्य मंत्रियों को चूंकि सभी दलों के शीर्ष नेतृत्व के साथ तालमेल बिठाना पड़ता है, इसलिए वे अक्सर प्रतिपक्ष पर कटु राजनीतिक टिप्पणी करने से बचते हैं, मगर मौजूदा समय में ऐसी स्वस्थ परंपराएं अपना वजूद खो रही हैं, जिसका खामियाजा हमारे संसदीय लोकतंत्र को भुगतना पड़ सकता है। विपक्षी सांसदों ने दोनों सदनों से अपने निलंबन के विरोध में शुक्रवार को जंतर-मंतर पर धरना दिया और केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश की। मगर सवाल यह है कि इस सत्र को ऐतिहासिक बनाने के लिए क्या उन्होंने अपने श्रेष्ठ संसदीय आचरण का प्रदर्शन किया? विपक्ष की यह संसदीय जिम्मेदारी थी कि विभिन्न विधेयकों पर अपने विचारों से वह एक मुकम्मल कानून बनाने में संसद की मदद करता, मगर उसने मंत्री विशेष के बयान पर अड़कर रणनीतिक चूक की और सरकार के लिए रास्ता सुगम ही बनाया। फिर संसद के भीतर उसकी ओर से लगातार आसन को लक्षित किया जाता रहा और निलंबन के बाद संसद परिसर में जिस तरह से सभापति का निरादर किया गया, उसमें वह सत्ता पक्ष से किसी सौहार्द की अपेक्षा भी कैसे कर सकता था? इस पूरे सत्र के दौरान दोनों पक्षों से चूक हुई है और दोनों ने एक सुनहरा मौका गंवा दिया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष आगामी आम चुनाव के मद्देनजर अपनी-अपनी पृष्ठभूमि तैयार करने में भूल गए कि दोनों को एक-दूसरे की आगे भी जरूरत पड़ेगी। उनको नहीं भूलना चाहिए कि उनके आचरण पर भारतीयों की ही नहीं, बल्कि तमाम मुल्कों में लोकतंत्र की चाह रखने वाले लोगों की भी पैनी नजर रहती है।

आज का राशीफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

अब भारतीय कम्पनियां अन्य देशों की कम्पनियों का अधिग्रहण कर रही हैं

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

हाल ही के समय में कई भारतीय कम्पनियां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वरूप ग्रहण करती नजर आ रही हैं। कुछ भारतीय कम्पनियां अन्य देशों की कम्पनियों में न केवल अपना पूंजी निवेश बढ़ा रही हैं बल्कि कुछ कम्पनियां अन्य देशों की कम्पनियों का अधिग्रहण भी कर रही हैं। एक महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आ रहा है कि भारत कई ऐसे देशों, जो आपस में शायद मित्र देश की भूमिका में नहीं हैं इसके बावजूद भारत दोनों देशों, के साथ अपने व्यापारिक रिश्तों को बढ़ाता नजर आ रहा है। उदाहरण के लिए, यूनाइटेड अरब अमीरात, कतर एवं सऊदी अरब आदि देश मिडल ईस्ट में भारत के महत्वपूर्ण व्यापार भागीदार हैं एवं ये देश भारत में भारी राशि का निवेश कर रहे हैं। सऊदी अरब तो भारत में 10,000 करोड़ अमेरिक डॉलर का निवेश करने जा रहा है। परंतु, हाल ही के कुछ वर्षों में मिडल ईस्ट के कुछ देशों के साथ ही, इजराईल के साथ भी भारत के मिलिटरी, राजनैतिक एवं व्यापारिक सम्बंध प्रगाढ़ हुए हैं। न केवल इजराईल की कंपनियां भारत में निवेश कर रही हैं बल्कि कई भारतीय कम्पनियां भी इजराईली कम्पनियों में निवेश कर रही हैं एवं कुछ कम्पनियों का अधिग्रहण कर रही हैं। इस प्रकार भारत के अरब देशों के साथ साथ इजराईल के साथ भी प्रगाढ़ व्यापारिक रिश्ते कायम हो गए हैं। कई भारतीय कम्पनियां इजराईल के स्टार्ट अप में भारी मात्रा में निवेश करती दिखाई दे रही हैं। चूंकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद अब लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को छूने जा रहा है, अतः भारतीय कम्पनियां अब इस स्थिति में पहुंच गई हैं कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की तरह अन्य देशों में विभिन्न क्षेत्रों में कम्पनियों का अधिग्रहण कर सकें अथवा इन विदेशी कम्पनियों में अपना पूंजी निवेश बढ़ा सकें। इस दृष्टि से भारत की कुछ बड़ी कम्पनियां जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (मुकेश अम्बानी समूह), इनफोसिस, विप्रो, टाटा समूह, अडानी समूह आदि इजराईल की कम्पनियों का अधिग्रहण करने में सफलता हासिल कर रही हैं।

हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, इजराईल में सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण करने वाली एक कम्पनी टावर सेमीकंडक्टर नामक कम्पनी का अधिग्रहण करने का प्रयास कर रही है। सेमीकंडक्टर चिप के उपयोग हेतु भारत में बहुत बड़ा बाजार उपलब्ध है, इससे इस उत्पाद के लिए अन्य देशों पर भारत की निर्भरता कम होगी। इजराईल की उक्त कम्पनी पूर्व में ही भारी मात्रा में सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण कर रही है। पूर्व में अमेरिकी कम्पनी इंटेल ने उक्त कम्पनी को 540 करोड़ अमेरिकी डॉलर में खरीदने का प्रयास किया था परंतु इंटेल को इस कार्य में सफलता नहीं मिल सकी थी। परंतु, अब भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज इस कम्पनी को खरीदने का प्रयास कर रही है। टावर सेमीकंडक्टर वर्ष 2009 में केवल 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार करती थी परंतु यह वर्ष 2022 में इस कम्पनी का व्यापार बढ़कर 168 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। अतः यह कम्पनी अत्यधिक तेज गति से प्रगति कर रही है।

भारत में दवाईयों का निर्माण करने वाली एक कम्पनी सन फार्मा ने भी इजराईल की टेरो फार्मा नामक एक कम्पनी को अपनी सहायक कम्पनी बना लिया है। इससे भारतीय सन फार्मा कम्पनी का विस्तार इजराईल में भी हुआ है। सन फार्मा को नई तकनीकी को विकसित करने में भी सहायता मिली है। इसी प्रकार, भारतीय कम्पनी अदानी पोर्ट्स एंड लाजिस्टिक्स ने इजराईल के सबसे बड़े हाईफा पोर्ट का विस्तार करने का कार्य हाथ में लिया है। इस विस्तार के कार्य पर 115 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि खर्च होगी। वर्ष 2021 में इजराईल के कुल विदेशी व्यापार का लगभग 56 प्रतिशत हिस्सा इसी पोर्ट के माध्यम से हो रहा था। टाटा समूह की टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) नामक सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कम्पनी भी इजराईल में अपने व्यापार का लगातार विस्तार कर रही है। भारत की इनफोसिस कम्पनी ने इजराईल की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की पनाया नामक कम्पनी का 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर में अधिग्रहण कर लिया है।

भारत का टाटा समूह इजराईल के एयर स्पेस में कार्य कर रही कम्पनियों एवं सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही कम्पनियों में अपना निवेश बढ़ा रहा है ताकि इन क्षेत्रों में इजराईल की कम्पनियों के साथ मिलकर कार्य किया जा सके। इजराईल के पास सुरक्षा उपकरण बनाने की नवीनतम तकनीक उपलब्ध है। भारत एवं इजराईल अब टैंक्स एवं राडार के निर्माण का कार्य साथ मिलकर करने जा रहे हैं। वैसे भी भारत एवं इजराईल के बीच मिलिटरी सैन्य समझौता पूर्व में ही किया जा चुका है। इसी प्रकार के समझौते, उद्योग के क्षेत्र में रिसर्च, आर्थिक विकास के लिए एक दूसरे के साथ भागीदारी, विशेष रूप से स्वास्थ्य, एयरो स्पेस एवं इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से भी किए जा रहे हैं। आरटीफिशियल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में निजी क्षेत्र द्वारा किए जा रहे निवेश के मामले में अमेरिका, चीन एवं यूनाइटेड किंगडम के बाद इजराईल, पूरे विश्व में, चौथे स्थान पर है। अतः भारत की इजराईल के साथ व्यापार के क्षेत्र में बढ़ती भागीदारी का लाभ भारत को भी मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

इजराईल में भारतीय इंजीनीयरों की संख्या भी तेजी से बढ़ती जा रही है। आज इजराईल में सॉफ्टवेयर विकसित करने हेतु 18,000 से अधिक इंजीनियर कार्य कर रहे हैं और यह संख्या अमेरिका में कार्य कर रहे इंजीनियरों की तुलना में बहुत कम जरूर है परंतु अब तेजी से भारतीय इजनीयरों की मांग इजराईल में बढ़ रही है। सुरक्षा के क्षेत्र में भी इजराईल भारत का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। भारत इजराईल से हाई क्वालिटी ड्रोन, मिसाईल, एवं अन्य उपकरण आदि खरीदता है। इजराईल-हम्मास युद्ध के बाद से इजराईल में कार्य कर रहे फिलिस्तिनियों को इजराईल से बाहर निकाल दिया गया है। अतः अब इजराईल ने एक लाख भारतीय कामगारों की मांग भारत सरकार से की है। उधर, ताईवान ने भी एक लाख भारतीय कामगारों की मांग की है। अब विभिन्न देशों में भारतीय कामगारों की मांग भी बढ़ती जा रही है।

भारतीय कम्पनियां इसी प्रकार ब्रिटेन की कम्पनियों में भी अपना निवेश बढ़ा रही हैं। टाटा समूह ने ब्रिटेन की कोरस नामक कम्पनी में 217 करोड़ यूरो का पूंजी निवेश किया है। रिलायंस समूह ने बैटरी का निर्माण करने वाली एक फरडीयन नामक कम्पनी में 10 करोड़ यूरो का पूंजी निवेश किया है। टाटा समूह ने टेटली नामक कम्पनी में 4 करोड़ से अधिक यूरो का पूंजी निवेश किया है। टाटा मोटर्स ने जगुआर लैंड रोवर्स नामक कम्पनी का अधिग्रहण कर लिया है एवं टाटा मोटर्स 400 करोड़ यूरो का अतिरिक्त पूंजी निवेश इस कम्पनी में करने जा रही है। इसी प्रकार के पूंजी निवेश करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की विभिन्न भारतीय कम्पनियां जैसे विप्रो एवं इनफोसिस आदि, भी ब्रिटेन की कम्पनियों का अधिग्रहण कर रही हैं। टाटा केमिकल्स लिमिटेड भी कुछ अन्य कम्पनियों में अपना पूंजी निवेश बढ़ा रही है। यूनाइटेड किंगडम के लिए, भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का दूसरा सबसे बड़ा स्त्रोत बन गया है। आज भारत की 954 कम्पनियां यूनाइटेड किंगडम में कार्य कर रही हैं एवं वहां 106,000 नागरिकों को रोजगार प्रदान कर रही हैं। भारतीय कम्पनियों द्वारा इजराईल एवं ब्रिटेन की कम्पनियों के अधिग्रहण एवं इन कम्पनियों में किए जाने वाले पूंजी निवेश से भारतीय कम्पनियों की साख पूरे विश्व में बढ़ रही है एवं अब कुछ भारतीय कम्पनियां भी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की श्रेणी में गिनी जाने लगी हैं।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत के सशक्त कानून

(लेखक-विष्णुदत्त शर्मा)

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी ने संसद के दोनों सदनों में आपराधिक न्यायिक प्रणाली में सुधार के तीन विधेयक प्रस्तुत किये एवं दोनों सदनों में यह विधेयक ध्वनिमत से पारित होने के पश्चात् एक नए युग की शुरुआत हो गयी है।

भारत में अब भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023 जो आईपीसी, 1860 को प्रतिस्थापित करेगा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 जो सीआरपीसी, 1898 को प्रतिस्थापित करेगा भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 जो साक्ष्य अधिनियम, 1872 को प्रतिस्थापित करेगा। इन विधेयकों की शुरूआत ऐसे समय में हुई है जब विश्व तेजी से तकनीकी प्रगति, सामाजिक परिवर्तन और विकसित हो रहे वैश्विक मानकों को देख रहा है। ब्रिटिश काल के दौरान बनाए गए मौजूदा कानूनों कि अक्सर पुराने होने और समकालीन जरूरतों के अनुरूप नहीं होने के कारण आलोचना की जाती रही है। नए कानून 21वीं सदी के साथ कानूनी प्रणाली को संरेखित करने की मोदी सरकार कि मंशा को दर्शाते हैं, जिसमें नागरिक-केंद्रित कानूनी संरचनाओं, लिंग तटस्थता, डिजिटल परिवर्तन और सजा के बजाय न्याय पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया गया है। इन परिवर्तनकारी कानूनी सुधारों का उद्देश्य भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली को नया आकार देना, नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय के कुशल प्रशासन को सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व एव हमारे केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के दृढ़ संकल्प शक्ति का परिणाम था कि सभी हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा के बाद इन कानूनों को लाया गया है। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने लाल किले की प्राचीर से देश के नाम अपने सम्बोधन में कहा था कि ' ...ये समय गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर, अपनी विरासत पर गर्व करने का है' और आजादी के अमृतकाल में भारत ने संकल्प लिया है कि उन सभी गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति पाना है। वास्तव में भारत की प्राचीन सभ्यता में अपराधियों को दंड देने के बजाय पीड़ित को न्याय देने का प्रचलन था किन्तु औपनिवेशिक काल में अंग्रेजों ने अपनी सत्ता स्थायी रखने के उद्देश्य से भय प्रस्थापित करने हेतु दंड को प्राधान्य दिया था।

इन कानूनों के प्रमुख प्रावधानों में राजद्रोह को निरस्त कर देशद्रोह को स्थापित करना, मॉब लिंचिंग के खिलाफ एक नया प्रावधान, नाबालिगों के बलात्कार के लिए मृत्युदंड, आतंकवाद की परिभाषा और छोटे अपराधों के लिए पहली बार सामुदायिक सेवा को दंड के रूप में सम्मिलित किया है। इसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, हत्या और राज्य के खिलाफ अपराधों को प्राथमिकता दी गई है। अलगाववादी गतिविधियों या भारत की संप्रभुता और एकता को खतरे में डालने वाले कृत्यों पर नए अपराध जोड़े गए हैं। मुख्यतः यह विधेयक मानव केंद्रित न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने का कार्य करेंगे और अब लोगां को 'तारीख पर तारीख' से मुक्ति मिलेगी। यह नए कानून भारतीय आत्मा से ओत-प्रोत हैं और इनका उद्देश्य संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना और न्याय प्रदान करना है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयकों की शुरूआत भारत की कानूनी प्रणाली के लिए अत्यधिक महत्व रखती है जिससे निम्नलिखित संकल्प पूर्ति का लक्ष्य है :

आधुनिकीकरण: यह कानून औपनिवेशिक विरासत से प्रस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं, ऐसे प्रावधान प्रस्तुत करते हैं जो समकालीन सामाजिक मूल्यों और तकनीकी प्रगति को दर्शाते हैं। डिजिटल अपराधों और साक्ष्यों को मान्यता देकर, नए कानून 21 वीं सदी की वास्तविकताओं को दर्शाते हैं, जिससे भारत की कानूनी प्रणाली का आधुनिकीकरण होता है।

दक्षता: कानूनी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और डिजिटल साक्ष्य को मान्यता देकर, इन कानूनों का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया की दक्षता को बढ़ाना, देरी को कम करना और त्वरित न्याय को सुनिश्चित करना है। नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण: नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जीवन में सुगमता सुनिश्चित करने पर जोर देने के साथ ही इनका लक्ष्य दंड से न्याय पर लक्ष्य केंद्रित करना है। वैश्विक मानकों के अनुरूप: यह आपराधिक न्यायिक प्रणाली के सुधार भारत की कानूनी प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यह कानून अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम क़ानूनी प्रथाओं के अनुरूप हैं। गौरतलब है आपराधिक न्यायिक प्रणाली में सुधार की यह प्रक्रिया वर्ष 2019 में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में गृह मंत्रालय द्वारा शरू की गई जिसमें विभिन्न हितधारकों से इस संदर्भ में सुझाव मांगे गए। गृह मंत्री जी ने सितम्बर 2019 में सभी राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों/प्रशासकों को पत्र लिखा था। जनवरी 2020 में भारत के मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों, बार काउंसिलों और विधि विश्वविद्यालयों और दिसम्बर 2021 में संसद सदस्यों से भी सुझाव मांगे गए। बीपीआरडी ने सभी आईपीएस अधिकारियों से सुझाव मांगे। मार्च 2020 को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के कुलपति की अध्यक्षता में एक समिति भी गठित की गई जिसे कुल 3200 सुझाव प्राप्त हुए थे। साथ ही 18 राज्यों, 06 संघ राज्य क्षेत्रों, भारत के सर्वोच्च न्यायालय, 16 उच्च न्यायालयों, 27 न्यायिक अकादमियों-विधि विश्वविद्यालयां, पुलिस बलों ने भी अपने सुझाव दिए है। गृह मंत्री अमित शाह जी ने 158 व्यक्तिगत बैठकें की, तत्पश्चात इन सुझावों पर गृह मंत्रालय में गहन विचार-विमर्श किया गया और इसी के परिणाम स्वरूप यह तीन कानून बने हैं। हम यह कह सकते हैं कि सरकार ने व्यापक चर्चा उपरांत जनआकांक्षाओं का सम्मान कर इन कानूनों को लाया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार पिछले साढ़े 9वर्षों में, हमारी संस्थाओं और प्रणालीगत कानूनों को पुनर्जीवित करने के मिशन पर कार्य रही है, जो 19 वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासन और उनके प्रतिनिधियों द्वारा हमारे प्राचीन सभ्यतागत सोच विचार को ब्रिटिश शासन के अधीन एवं राज्य चलाने के उद्देश्य से बनाये गए थे। निश्चित रूप से यह नए कानून हमारी कानूनी आत्मनिर्भरता के युग की शुरुआत है एवं इन कानूनों के पारित होने का सुखद अनुभव वास्तव में हमें दासता से मुक्ति का बोध कराता है।

- लेखक भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हैं।

विचार मंथन

जीडीपी के बराबर हो गया विदेशी कर्ज

(लेखक- सनत जैन)

भारत सरकार पर लगातार विदेशी कर्ज बढ़ता जा रहा है। इसे लेकर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने आगाह किया है, कि यदि कर्ज इसी रफ्तार से बढ़ता रहा, तो जल्द ही सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी के 100 फ़ीसदी के बराबर हो जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष भारत में बढ़ रहे कर्ज को लेकर चिंतित हो गया है। आईएमएफ ने भारत सरकार को चेतावनी दी है। वहीं भारत सरकार का कहना है, कि उसे बढ़ते हुए कर्ज की कोई चिंता नहीं है। भारत सरकार यह मानकर चल रही है, कि सांवरेन डेट रिस्क बहुत सीमित है। नोटबंदी के कारण कुछ परेशानी बढ़ी थी, जो अब पूरी तरह नियंत्रण में आ गई है। देश का जीडीपी साल 2020 में कोविड के दौरान 89 फ़ीसदी था। साल 2022-23 में यह घटकर 81 फ़ीसदी पर आ गया है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जानकारी दी है, कि देश में लंबी अवधि के कर्ज का जोखिम बना रहेगा। भारत में प्राकृतिक आपदाओं और क्लाइमेट चेंज जैसे जोखिम से बचने के लिए एक बड़े निवेश की जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत को यह भी सलाह दी है, कि वह सस्ते कर्ज के विकल्प को तलाशे, साथ ही निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ाने की दिशा में काम करे। भारत सरकार का मानना है कि जीडीपी की तुलना में जापान पर 214 फ़ीसदी, इटली पर 141 फ़ीसदी और अमेरिका पर 110 फ़ीसदी कर्ज है। उसकी तुलना में भारत का कर्ज जीडीपी की तुलना में अभी भी 100 फीसदी के आसपास रहेगा। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का कहना है, कि जिन देशों का कर्ज जीडीपी की तुलना में 100 फ़ीसदी से ज्यादा है। वहां प्रति व्यक्ति आय भारत की तुलना में बहुत ज्यादा है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत 127 वें स्थान पर है। अमेरिका 8 वें, इंग्लैंड 27 वें स्थान पर है। इटली 29 वें स्थान पर है। जापान 38 वें स्थान पर है। वहीं भारत अभी 127 वें नंबर पर है। दुनिया के 38 देश अति विकसित राष्ट्र हैं, जबकि भारत अभी भी विकासशील देशों में भी बहुत पिछड़ा हुआ है। यही वजह है कि बढ़ता हुआ विदेशी कर्ज भारत के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण है। कर्ज का अनुपात ज्यादा होने पर इसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। देश के सभी राज्यों ने अक्टूबर महीने तक कुल 2.75 लाख करोड रुपए बाजार से कर्ज के रूप में लिया है। राज्य सरकारों पर भी कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। पंजाब, बिहार, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, आंध्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में 30 फीसदी से लेकर 46 फ़ीसदी तक का कर्ज जीडीपी की तुलना में है। आगामी साल 2023-24 में यह कर्ज और भी बढ़ने जा रहा है। आईएमएफ ने बढ़ते हुए कर्ज पर भारी चिंता जताई है। भारत की अर्थव्यवस्था में प्रति व्यक्ति आय बहुत कम है। यदि इससे ज्यादा कर्ज लिया जाएगा, तो भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका बुरा असर पड़ना तय है। हालांकि भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की सलाह से सहमत नहीं है, और उसका मानना है कि वदेश से लिया गया कर्ज उसके लिए कोई बड़ी समस्या नहीं है। वहीं दूसरी तरफ देश में प्रतिव्यक्ति आय को देखा जाए तो यह कर्ज बहुत ज्यादा प्रतीत होता है, क्योंकि देश में आय सीमित है, जबकि व्यय महंगाई और देश के वर्तमान हालात के साथ सरकार की नीति से प्रभावित होता है। ऐसे में यदि विदेशी कर्ज को नियंत्रित करने की आवश्यकता है, जिसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की चिंता को दरकिनार करके कर्ज लेना अपने आप में बड़ी भूल साबित हो सकती है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को भी इस पर गंभीरता से विचार कर प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। भारत में बढ़ रहे कर्ज को लेकर चिंतित भले न हों, लेकिन देश में प्रतिव्यक्ति आय कैसे बढ़ेगी और कर्ज का बोझ आमजन के सिर से कैसे उतरेगा इस पर गहन विचार कर उचित कदम उठाने की आवश्यकता है।

फ्लिपकार्ट ने वॉलमार्ट से 60 करोड़ डॉलर जुटाए

मुंबई । ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अमेरिका की दिग्गज खुदरा कंपनी वॉलमार्ट से लगभग पांच-10 प्रतिशत अधिक मूल्यांकन पर 60 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसने वॉलमार्ट से 60 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। सूत्रों के मुतो` बिक यह राशि वास्तविक आंकड़ों का खुलासा किए बिना पांच-10 प्रतिशत की सीमा में उच्च मूल्यांकन पर आई है। फ्लिपकार्ट ने अपनी मूल कंपनी से हालिया धन जुटाने के बाद कंपनी के मूल्यांकन पर कोई टिप्पणी नहीं की। फ्लिपकार्ट का पिछली बार मूल्यांकन 2.79 लाख करोड़ रुपये किया गया था, जब इसने जीआईसी, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड, सॉफ्टबैंक विजन फंड 2, वॉलमार्ट, डिसरप्टएडी, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, टाइगर ग्लोबल आदि से लगभग 26,800 करोड़ रुपये जुटाए थे। एक अन्य सूत्र ने कहा कि कंपनी का मूल्यांकन अब भी 40 अरब डॉलर से नीचे है। कंपनी की बीते वित्त वर्ष में एकीकृद्ध शुद्ध कुल आय 9.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 56,012.8 करोड़ रुपये रही थी। वित्त वर्ष 2021-22 में यह 51,176 करोड़ रुपये थी। कुल आय में वृद्धि के बावजूद फ्लिपकार्ट का वित्त वर्ष 2022-23 में एकीकृत घाटा बढ़कर 4,890.6 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 3,371.2 करोड़ रुपये था।

डीटीसी अपने बेड़े में शामिल करेंगी 200 नई इलेक्ट्रिक बसें

नई दिल्ली । दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) नए साल में अपने बेड़े में 200 इलेक्ट्रिक बसें शो मिल कर सकती है। इससे उसके बेड़े में बसों की कुल संख्या 1,500 हो जाएगी। दिल्ली परिवहन निगम वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी में 1,300 इलेक्ट्रिक बसें संचालित करता है। इनमें से 500 को इस महीने की शुरुआत में हरी झंडी दिखाई गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली इंटिग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम लिमिटेड (डीआईएमटीएस) क्लस्टर बसों की निगरानी और प्रबंधन करता है। वैसे तो इलेक्ट्रिक बसें पहले ही डीटीसी बेड़े में शामिल हो चुकी हैं, लेकिन डीआईएमटीएस को जल्द ही 200 बसें मिलेंगी। अधिकारी ने कहा कि सौ बसें पहले ही आ चुकी हैं। हम 100 और बसों के आने की उम्मीद कर रहे हैं और इन्हें जनवरी के मध्य में हरी झंडी दिखाए जाने की संभावना है।

ईडी ने तारा कॉरपोरेशन और अन्य की 35.1 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 40.92 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में तारा कॉर्पोरेशन लिमिटेड और अन्य की 35.10 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने बताया कि कुर्क की गई अचल संपत्ति पंजाब के मलेरकोटला में स्थित है। जांच के मुतो बिक ऋण राशि को तारा कॉर्पोरेशन से विभिन्न फर्जी फर्मों में स्थानांतरित कर दिया गया था और उसके बाद इसे तारा हेल्थ फूड लिमिटेड (टीएचएफएल) और तारा सेल्स लिमिटेड नाम से एक अन्य सहयोगी कंपनी में एकीकृत कर दिया गया था। ईडी ने कहा कि टीएचएफएल में प्राप्त राशि का उपयोग उन उद्देश्यों के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया था जिनके लिए कर्ज लिया गया था। जसवंत सिंह के व्यक्तिगत खातों में 3.12 करोड़ रुपये और टीएचएफएल को 33.99 करोड़ रुपये की रकम भेजी गई थी। इससे पहले ईडी ने तारा कॉर्पोरेशन और तारा हेल्थ फूड के पूर्व निदेशक जसवंत सिंह गज्जन माजरा को इसी साल 6 नवंबर को गिरफ्तार किया था। ईडी का मामला एसीबी, सीबीआई (चंडीगढ़) द्वारा दर्ज एफआईआर पर आधारित है।

शेयर बाजार की अंतरिम बजट पर रहेगी नजर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति की समीक्षा कर चुकी है और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति अब सामने आ चुकी है, ऐसे में वित्तीय वर्ष 2023 के प्रमुख आर्थिक घटनाक्रम मोटे तौर पर पूरा होने के करीब हैं। विश्लेषकों ने कहा कि जहां तक देसी घटनाक्रम का सवाल है, अब नजरें अंतरिम बजट या अनुदान मांग और 2024 में होने वाले आम चुनाव पर टिकी हुई हैं, जो भारतीय बाजारों को दिशा देगा। इन दोनों घटनाक्रमों के साथ वैश्विक स्तर पर भूराजनीतिक प्रगति, ब्याज दर की चाल, तेल की कीमतें और बांड प्रतिफल के अलावा इस पृष्ठभूमि में विदेशी संस्थागत निवेशकों व देसी संस्थागत निवेशकों का निवेश अगले वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में बाजारों को आकार देगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक इक्विटी बाजार अब दरों का चक्र पूरा होने को लेकर आशावादी है। उनका कहना है कि बाजारों के लिए एकमात्र चिंता यह है कि क्या दुनिया भर में संचयी तौर पर हुई ब्याज बढ़ोतरी वृद्धि को धीमा कर देगी या फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में खासा सुधार होगा। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में आई हालिया गिरावट, राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजे और इस वजह से राजनीतिक स्थिरता के अनुमान और आर्थिक वृद्धि के परिदृश्य के कारण बाजारों पर हमारा नजरिया अल्पावधि के लिहाज से तेजी का है। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स साल 2024 में आम चुनाव से पहले 73,000 की ऊंचाई पर पहुंच सकता है, लेकिन अकेले तेल में संभावित तेजी ही देसी बाजारों के परिदृश्य को

पटरी से उतार सकती है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों के सेंटिमेंट में इस तरह की मजबूती देसी साइक्लिकल सेक्टर मसलन बैंक, इंडस्ट्रियल, बिजली, प्रॉपर्टी और मिडकैप के लिए बेहतर होगा। विशेषज्ञों ने कहा कि मजबूत बहुमत के साथ भाजपा की वापसी से मध्यम अवधि में नीतिगत निरंतरता और राजकोषीय एकीकरण का संकेत मिलेगा।

चीन के नए नियमों से 25 फीसदी तक गिरे नेटईज के शेयर

मुंबई । चीनी नियामक के ऑनलाइन गेम के लिए खर्च की सीमा निर्धारित करने का मसौदा जारी करते ही निवेशकों के बीच घबराहट पैदा हो गई। चीन की दो सबसे बड़ी गेमिंग कंपनियों का बाजार मूल्य करीब 6.64 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। दुनिया की सबसे बड़ी गेमिंग कंपनी टीनसेंट होल्डिंग्स के शेयरों में 16 फीसदी तक, जबकि इसके निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेटइजी इंक के शेयरों में 25 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। निवेशकों को आंशका है की चीन के इस मसौदे से उनकी कमाई पर असर पड़ेगा। नए नियम के अनुसार गेम प्रकाशकों को अपने सर्वर को चीन के भीतर ही स्थापित करना होगा। हालांकि, नियामक ने इस नए मसौदे पर 22 जनवरी 2024 तक सार्वजनिक सुझाव और टिप्पणी करने की मांग की है। कठोर मसौदा नियम का असर वैश्विक स्तर पर गेमिंग शेयरों पर भी पड़ा। अमेरिकी गेमिंग स्टॉक रोब्लॉक्स, इलेक्ट्रॉनिक आट्र्स और यूनिटी सॉफ्टवेयर शुक्रवार को 1.7 फीसदी और 3.1 फीसदी के बीच फिसल गए, जबकि यूरोप में फ्रांसीसी वीडियो गेम डेवलपर यूबीसॉफ्ट 3 फीसदी से अधिक नीचे खिसक गए।

बिजली मांग पूरी करने 88 गीगावाट तापीय क्षमता बढ़ाई जाएगी:आरके सिंह

नई दिल्ली । केन्द्रीय मंत्री आरके सिंह ने कहा है कि बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए देश में लगभग 88 गीगावाट अतिरिक्त तापीय क्षमता स्थापित किए जाने की संभावना है। बिजली मंत्री ने हाल ही में कहा कि भारत में बिजली की अधिकतम मांग वर्ष 2030-31 तक 3,50,670 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है और सरकार बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है। सिंह ने लोकसभा में कहा` कि नवंबर 2022 में प्रकाशित 20वें इलेक्ट्रिक पावर सर्वे (ईपीएस) रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2030-31 में देश में बिजली की अधिकतम मांग 3,50,670 मेगावाट होने की उम्मीद है। हमने देश में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कदम उठाए हैं। मंत्री ने कहा कि 27,180 मेगावाट की तापीय क्षमता निर्माणाधीन है, 12,000 मेगावाट की बोली लगाई जा चुकी है और 19,000 मेगावाट की मंजूरी का काम जारी है। वर्ष 2031-2032 तक कुल तापीय क्षमता वृद्धि 87,910 मेगावाट होने की उम्मीद है। सिंह ने कहा` कि इस प्रकार, ताप विद्युत, नवीकरणीय, जल विद्युत और परमाणु सहित निर्माणाधीन कुल क्षमता 1,32,148.5 मेगावाट है। इसको देखते हुए वर्ष 2031-32 तक कुल क्षमता वृद्धि 4,64,124 मेगावाट होने की संभावना है।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग आधा फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी देखी गई। बाजारविशेषज्ञों ने कहा कि गिरावट पर खरीदारी की रणनी ति से शेयर बाजार में तेजी रही। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल में नरमी और अगले साल नी तिगत दरों में कटौती की उम्मीद से भी बाजार में तेजी आई। सप्ताह भर के कारोबार पर नजर डालें तो शेयर बाजार में बीते हफ्ते की रिकॉर्ड छलांग के बाद सोमवार को बड़ी मुनाफावसूली दिखी। सेंसेक्स 46 अंकों की तेजी के साथ 71,437.35 के लेवल पर खुला और 168 अंकों की गिरावट के साथ 71315 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 22 अंकों की गिरावट के साथ 21,434.80 पर खुला और 38 अंकों की गिरावट के साथ 21418 अंकों पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को सपाट लेकिन पॉजिटिव शुरुआत हुई। इस दौरान शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 104.88 अंक टूटकर 71,165.56 के स्तर पर खुला और 122.10 अंकों की बढ़त के साथ 71,437.19 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी भी 32.56 फिसलकर 21,386.10 पर खुला और 34.45 की बढ़त के साथ 21,453.10 के स्तर पर बंद हुआ। जापान के बाद चीन की ओर से भी ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने के बाद एशियाई बाजारों में बढ़त से भारतीय बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक बुधवार को नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर खुले। सेंसेक्स 384 अंकों की तेजी के साथ 71,821 के स्तर

पर खुला और 930 अंकों की गिरावट के साथ 70,500 पर बंद हुआ। निफ्टी 109 अंकों की तेजी के साथ 21,562 पर खुला और 302.95 अंक टूटकर 21,150.15 के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स करीब 300 अंकों की गिरावट के साथ 70,200 पर खुला और 359 अंकों के उछाल के साथ 70,865 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी भी 100 अंक फिसलकर 21000 पर खुला और 105 अंकों के उछाल के साथ 21,255 अंकों पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार से मिलेजुले संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार की शुक्रवार को सपाट स्तर पर शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 168.38 अंकों की बढ़त के साथ 71,097.82 पर खुला और 241.86 (0.34 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 71,106.96 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 अंक बढ़कर 21,280 पर खुला और 94.36 (0.44 फीसदी) अंक मजबूत होकर 21,349.40 के स्तर पर बंद हुआ।

टाटा की दो एसयूवी को मिली 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग

-टाटा सफारी और हेरियर है ये दो एसयूवी

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की दो एसयूवी को 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। ये एसयूवी है टाटा सफारी और हेरियर। दोनों ही एसयूवी को चाइल्ड प्रोटेके शन और एडल्ट प्रोटेके शन में 5 स्टार की रेटिंग मिली है। खुद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के एमडी शैलेश चंद्रा को दोनों कारों का बीएनसीएपी सर्टिफिकेट दिया। फिलहाल क्रैश टेस्ट में किस कैटेगरी में दोनों कारों को कितने नंबर मिले हैं इसका खुलासा होना बाकि है।अपनी खुद की कार क्रैश टेस्टिंग एजेंसी रखने वाला भारत अब दुनिया का पांचवा देश हो गया है। इससे पहले अमेरिका, दक्षिण कोरिया, चीन और जापान में क्रैश टेस्ट किए जाते थे। वहीं भारत की गाड़ियों को जीएनसीएपी की ओर से ही टेस्ट किया जाता था। बीएनसीएपी के क्रैश टेस्ट के दौरान फ्रंट इम्पैक्ट, साइड पोल इम्पैक्ट, साइड बैरियर इम्पैक्ट और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल को चेक किया गया है। बीएनसीएपी को कई और ऑटो मैन्युफैक्चरर्स ने अपनी गाड़ियों को क्रैश टेस्ट के लिए दिया है। आने वाले समय में और कई कारों के क्रैश टेस्ट के रिजल्ट सामने आएंगे। वहीं 2024 में लॉन्च होने वाली कई कारों को भी कंपनियों ने पहले ही क्रैश टेस्ट के लिए बीएनसीएपी को सौंप दिया है। इससे कार लॉन्च होने से पहले ही ग्राहकों को उनकी सेफ्टी रेटिंग के बारे में पता चल सकेगा।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने जियोमार्ट से किया समझौता

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए रिलायंस रिटेल की जियोमार्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी से जुड़े कार्यक्रम में ग्रामीण आजीविका मिशन के अतिरिक्त सचिव चरणजीत सिंह ने कहा कि इस गठजोड़ से एसएचजी ई-कॉमर्स मंच पर विक्रेता के तौर पर शामिल हो सकेंगे और बड़े ग्राहक आधार तक अपने उत्पादों को पहुंचा सकेंगे। सिंह ने कहा कि यह साझेदारी एसएचजी की आय बढ़ाने की दिशा में मंत्रालय के प्रयासों को आगे बढ़ाएगी। मिशन सतत आधार पर एसएचजी की आय बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। मंत्रालय और जियोमार्ट के बीच साझेदारी के तौर पर दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) से जुड़े सभी एसएचजी विक्रेताओं को अपने व्यवसाय को ऑनलाइन बढ़ाने में लाभ और मार्गदर्शन मिलेगा।

क्रिसमस पर नहीं बढ़ा हवाई किराया

- मांग गिरने से यात्रियों के लिए तरस गईं कंपनियां

नई दिल्ली ।

क्रिसमस पर्व के दौरान हवाई किराए में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-पुणे, मुंबई-गोवा और मुंबई चेन्नई जैसे बड़े हवाई मार्गों पर 23 से 25 दिसंबर के बीच किराया पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले या तो कम है अथवा बढ़ा भी है तो बहुत मामूली। एक विमानन विश्लेषक ने बताया कि नवंबर में दीवाली से पहले बढ़ी मांग को देखते हुए एयरलाइंस ने किरायों में बेतहाशा वृद्धि कर दी थी। इसका नतीजा यह हुआ कि मांग एकदम गिर गई और एयरलाइंस यात्रियों के लिए तरस गईं। नतीजतन, उन्हें सीटें भरने के लिए अंतिम समय तक टिकट बिक्री जैसे कदम उठाने पड़े। उन्होंने बताया कि इस महीने ऐसी हालत नहीं है। एयरलाइंस यात्रियों को लुभाने के लिए किराया तार्किक स्तर पर बनाए रखने को प्राथमिकता दे रही हैं। यदि किराये में कमी या बढ़ोतरी होती है तो यह अंतर बहुत ही मामूली रहता है। हवाई किराया कम होने का एक कारण यह भी है कि पिछले कुछ महीनों से हवाई ईंधन की कीमतों में गिरावट आई है। दिल्ली में 1 अक्टूबर को एटीएफ का मूल्य 1,18,000 प्रति किलोलीटर था, जो 1 दिसंबर को कम होकर 1,06,000 प्रति किलोलीटर पर आ गया। यात्री भार के लगातार एक जैसा रहने के कारण भी हवाई किरायों को वृद्धि नहीं हुई है। दिल्ली-मुंबई देश का सबसे व्यस्त हवाई मार्ग है, जिस पर हर सप्ताह 730 से अधिक फ्लाइट का संचालन होता है। ट्रैवल पोर्टल इजीगो के अनुसार दिल्ली-मुंबई मार्ग 23 से 25 दिसंबर के बीच औसत हवाई किराया पिछले साल के मुकाबले मात्र 0.51 फीसदी बढ़ा है। ऐसा तब है जब उड़ान से एक से तीन दिन पहले टिकट बुक कराया जाए। मुंबई-चेन्नई भी व्यस्ततम हवाई मार्ग में शामिल है। इस मार्ग पर 23 से 25 दिसंबर के बीच हवाई किराया 22.92 फीसदी कम हुआ है। यदि उड़ान से एक से तीन दिन पहले टिकट बुक किया जाता है तो एक टिकट के लिए 5,615 रुपये खर्च करने होंगे।

चालू वित्त वर्ष में हवाई यातायात 37.5 करोड़ पहुंचने की उम्मीदः रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

देश में अगले साल मार्च तक 200 विमानों को परिचालन से बाहर करने की आशंका को देखते हुए हवाई यात्री यातायात पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा। एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट में कहा गया कि चालू वित्त वर्ष में हवाई यात्री यातायात लगभग 37.5 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है, जो महामारी से पहले के स्तर का 1.09 गुना है। एक शोध और सलाहकार फर्म ने पिछले महीने के अंत में कहा था कि भारतीय एयरलाइंस के बेड़े में गंभीर बाधा बनी हुई है और आपूर्ति श्रृंखला तथा रखरखाव से जुड़े मुद्दों के कारण वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक करीब 200 विमान परिचालन से बाहर हो सकते हैं। मार्च, 2024 तक लगभग 200 विमानों को खड़ा किए जाने की आशंका के बावजूद यातायात पर इसका 3-4 प्रतिशत असर होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि पट्टों के विस्तार और यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी के कारण इसका न्यूनतम असर होगा।

इनोवा हाईक्रॉस मारुति की इन्विक्टो एसयूवी पर आधारित

-एसयूवी का प्रोडक्शन हो रहा सीमित संख्या में

नई दिल्ली ।

टोयोटा ने इसी साल इनोवा हाईक्रॉस हाइब्रिड एसयूवी को लॉन्च किया था। ये 7-सीटर कार एसयूवी मारुति की इन्विक्टो एसयूवी पर आधारित है। फिलहाल कंपनी इस एसयूवी का प्रोडक्शन सीमित संख्या में कर रही है जिसके चलते सेल्स कम होने के बावजूद भी इस एसयूवी का वेटिंग पीरियड बढ़ता ही जा रहा है। टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस के हाइब्रिड वैरिएंट पर फिलहाल 65 सप्ताह (455 दिन) का वेटिंग पीरियड चल रहा है। अगर आपको इस कार का हाइब्रिड वैरिएंट खरीदना है तो 1 साल से भी ज्यादा का इंतजार करना पड़ेगा। वहीं, पेट्रोल वैरिएंट खरीदने के लिए ग्राहकों को 26 हफ्ते तक का वेटिंग पीरियड दिया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वेटिंग पीरियड पूरे भारत में है और वेटिंग बुकिंग डेट से लागू है। टोयोटा की एमपीवी दो इंजन विकल्पों के साथ आती है जिसमें 2-लीटर पेट्रोल और 2-लीटर हाइब्रिड इंजन शामिल है। हाइब्रिड इंजन 183.7 बीएचपी की पॉवर और 188 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं पेट्रोल इंजन 172.9 बीएचपी की पॉवर और 209 एनएम का टॉर्क जनरेट कर सकता है। हाइब्रिड इंजन को ई-सीवीटी गियरबॉक्स से जोड़ा गया है जबकि पेट्रोल इंजन को सीवीटी गियरबॉक्स का विकल्प मिलता है। यह एमपीवी मोनोकॉक चेसिस पर आधारित है और फ्रंट व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आती है। फीचर्स के लिहाज से ही यह एमपीवी काफी शानदार है। इनोवा हाईक्रॉस में 10-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल और वेन्टीलेटेड फ्रंट सीटें शामिल हैं। एमपीवी में पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस फोन चार्जिंग और कनेक्टेड कार तकनीक भी मिलती है। इसके सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, वाहन स्थिरता नियंत्रण (वीएससी), टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), 360-डिग्री कैमरा और फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर शामिल हैं। यह एमपीवी एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम यानी अडास से भी लैस है जिसमें लेन-कीप और डिपार्चर अस्सिटेंस, अडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और ऑटो इमरजेंसी ब्रेकिंग जैसे फीचर्स शामिल हैं।अगर माइलेज की बात करें तो इसके पेट्रोल इंजन वेरिएंट में 16.13केएमपीएल की माइलेज मिलती है ।

ई-कारों पर 60,000 रुपये से 4 लाख रुपये तक छूट

-कंपनियां साल के आखिर में दे रही यह डिस्काउंट

नई दिल्ली ।

ई-कार पर साल के कई कंपनियां 31 दिसंबर तक 60,000 रुपये से 4 लाख रुपये तक छूट दे रही है। हालांकि पिछले साल के अंत में भी कंपनियों ने ई-वाहनों पर छूट दी थी मगर उस समय अधिक से अधिक 2-2.5 लाख रुपये की ही रियायत थी। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (एमऐंडएम), ह्युंडै मोटर इंडिया, एमजी मोटर और टाटा मोटर्स सबसे ज्यादा छूट दे रही हैं।वाहन डीलरों के संगठन फाडा में चेयरमैन (रिसर्च एवं एकेडमी) विंकेश गुलाटी ने कहा, 'इलेक्ट्रिक वाहनों पर कंपनियां और डीलर इस समय बहुत भारी छूट दे रहे हैं। इसीलिए हो सकता है कि लोग पेट्रोल-डीजल गाड़ियों के बजाय ई-वी खरीदना ही पसंद करें। महिंद्रा एक्सयूवी 400 ईवी को ही देख लीजिए। कीमत काफी कम होने के कारण महिंद्रा एक्सयूवी 300 खरीदने जा रहे कई लोग ईवी की तरफ मुड़ सकते हैं।' डीलरों का कहना है कि महिंद्रा और ह्युंडै की बैटरी वाली गाड़ियों पर छूट ज्यादा है और कुछ मॉडलों पर तो 4 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है। ह्युंडै कोना पर इस महीने 3 लाख रुपये की छूट तो पहले ही मिल रही थी। एक डीलर ने बताया कि छूट और बढ़ा दी गई है। उसने कहा, 'ह्युंडै की गाड़ी सड़क पर करीब 25.13 लाख रुपये की पड़ती है और हम कंपनी तथा डीलर की तरफ से छूट जोड़कर कुल 4 लाख रुपये कम कर रहे हैं।' ह्युंडै मोटर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने इसी महीने कहा था कि रिटेल बिक्री के लिहाज से दिसंबर सबसे बढ़िया महीनों में शुमार रहता है। टाटा मोटर्स के कुछ डीलर भी नेक्सॉन, टियागो और टिगॉर के इलेक्ट्रिक मॉडलों पर इस महीने तगड़ी छूट दे रहे हैं। नेक्सॉन सबसे ज्यादा बिकने वाला ईवी है। उसका नया मॉडल आ गया है और पुराना मॉडल बनना बंद हो गया। मगर डीलरों के पास पुराना स्टॉक पड़ा है, इसलिए उस मॉडल पर 2.7 लाख रुपये तक छूट दी जा रही है। मुंबई और लुधियाना में टाटा मोटर्स के डीलरों ने बताया कि इस छूट में एक्सचेंज बोनस भी शामिल है। टियागो ईवी पर 1 लाख रुपये और टियागो ईवी पर 75,000 से 80,000 रुपये तक छूट मिल रही है। एमऐंडएम के डीलर एक्सयूवी 400 पर 3.5 लाख से 4 लाख रुपये तक छूट दे रहे हैं। एक डीलर ने बताया कि छूट का ऐलान करने के बाद उन्हें इस इलेक्ट्रिक कार के अच्छे खासे ऑर्डर मिल रहे हैं। डीलरों ने बताया कि महिंद्रा भी 2024 में एक्सयूवी 400 का नया संस्करण लाने की सोच रही है।

भारत / ऑस्ट्रेलिया महिला टेस्ट

हरमनप्रीत ने दिलाई भारत को वापसी, ऑस्ट्रेलिया को मामूली बढ़त

मुंबई (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत कौर (23 रन देकर 2 विकेट) ने तीसरे दिन शनिवार को यहां अंतिम क्षणों में दो विकेट लेकर भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट क्रिकेट मैच में पलड़ा भारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 233 रन बनाए थे और इस तरह से उसने 46 रन की बढ़त हासिल कर ली है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 219 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 406 रन बनाकर 187 रन की बढ़त हासिल की थी। हरमनप्रीत ने ताहलिया मैकग्रा (177 गेंदों में 73 रन, 10 चौके) को क्लीन बोल्ड किया और फिर खतरनाक दिख रही एलिसा हिली (32) को पगबाधा आउट किया। स्टंप उखड़ने के समय एनाबेल सदरलैंड 12 और एशलीग गार्डनर सात रन पर खेल रही थी। तीसरा दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा।

भारत ने सुबह अपनी पारी सात विकेट पर 376 रन से आगे बढ़ाई और उसने आधे घंटे के खेल में ही 30 रन जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट गंवा दिए। सदरलैंड (41 रन देकर दो विकेट) ने भारत के निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कल की अविजित बल्लेबाज पूजा वस्त्राकर (47) और रेणुका सिंह (08) को जबकि किम गार्थ ने दीप्ति शर्मा (78) को आउट किया लेकिन इससे पहले भारतीयों ने दो नए रिकॉर्ड बनाए।

दीप्ति ने अपनी पारी में 171 गेंद का सामना किया और नौ चौके लगाए। भारत का 406 रन का योग ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक स्कोर है। दीप्ति और वस्त्राकर के बीच आठवें विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी भारत की तरफ से नया रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी (33) और फोएबे लीचफील्ड (18) ने सतर्क शुरुआत की लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया।

रिचा घोष ने मूनी को रन आउट करके भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद स्नेह राणा (54 रन देकर दो विकेट) ने लीचफील्ड को बोल्ड किया जो रिवर्स स्वीप करने से चूक गई थी। एलिस पेरी बड़ी पारी खेलने के मूड में दिख रही थी लेकिन भारतीय विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने राणा की गेंद पर उनका शानदार कैच लेकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। पेरी ने 91 गेंद पर पांच चौकों की मदद से 45 रन बनाए।

उन्होंने मैकग्रा के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। राणा ने राजेश्वरी गायकवाड़ की गेंद पर पहली स्लिप में मैकग्रा का कैच छोड़ा जिसका फायदा उठाकर यह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अर्धशतक बनाने में सफल रही। इसके बाद जब वह 52 रन पर खेल रही थी तब हरमनप्रीत की पहली गेंद पर उन्हें पगबाधा आउट दे दिया गया था, लेकिन डीआरएस की मदद से वह क्रीज पर टिकी रही।

लेकिन हरमनप्रीत कुछ देर बाद ही उनका विकेट लेने में सफल रही। उनकी गेंद मैकग्रा के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर विकेटों में समा गई थी। विकेट से स्पिनरों को खास मदद नहीं मिल रही थी जिसके कारण भारतीय गेंदबाजों को संघर्ष करना पड़ा। राजेश्वरी गायकवाड़ ने 27 ओवर किए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। उनकी गेंद पर हालांकि हीली को दो जीवनदान मिले थे।

आईपीएल 2024 से बाहर हो सकते हैं हार्दिक

– मुम्बई इंडियंस की मुश्किलें बढ़ीं

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के नये कप्तान हार्दिक पंड्या आईपीएल के अगले सत्र से बाहर हो सकते हैं। इससे उनकी टीम मुम्बई इंडियंस की परेशानी और बढ़ गयी है। मुम्बई ने हाल ही में ट्रेडिंग विंडो के जरिये गुजरात टाइटंस से पंड्या को लिया था। मुम्बई ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी थी पर अब उसका ये फैसला नुकसान साबित हो सकता है क्योंकि एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक चोट के कारण आईपीएल सत्र नहीं खेल पायेंगे। हार्दिक अभी तक इस चोट के लिए हुई सर्जरी से नहीं उबरे हैं। इसी कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, हार्दिक की फिटनेस पर अभी तक कोई जानकारी नहीं आयी है। इससे आईपीएल के लिए उनका उपलब्ध होना संदिग्ध है। मालूम हो कि हार्दिक को एकदिवसीय विश्वकप में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के दौरान बाएं पैर के टखने में चोट लगी थी जिससे उनका लिगामेंट फट गया था। इसी कारण हार्दिक विश्वकप से भी बाहर हो गये थे। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से भी बाहर थे।

सूर्यकुमार चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। । भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। सूर्या इस कारण अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गये हैं। सूर्या के टखने में चोट लगी है और इससे उबरने में उन्हें छह सप्ताह लगने की संभावना है। वहीं अगले साल जून में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए सूर्या की चोट से भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं क्योंकि टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पहले ही चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। हार्दिक कब तक फिट हो पायेंगे इसकी अभी कोई जानकारी नहीं है।

सूर्यकुमार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी एकदिवसीय मैच के दौरान गेंद को रोकने समय ये चोट लगी थी। इस दौरान उनका पैर मुड़ गया था और इस कारण मेडिकल स्टाफ उन्हें

बाहर लाया था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'सूर्यकुमार अभी रिहैब के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी में ही रहेंगे। मेडिकल साइंस टीम के अनुसार अभी वह डेढ़ से दो माह तक नहीं खेल पायेंगे। इसी कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से भी बाहर हो गये हैं।' माना जा रहा है कि सूर्या को ठीक होने में तकरीबन छह सप्ताह का समय लगेगा। ऐसे में आईपीएल में खेलने से पहले वह फिटनेस टेस्ट के लिए फरवरी में रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलेंगे।'

भारत की अंडर-19 टीम विश्व कप से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-19 टीम अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप से पहले जोहानिसबर्ग में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बयान के अनुसार त्रिकोणीय श्रृंखला जोहानिसबर्ग में खेली जायेगी जिसमें प्रत्येक टीम एक दूसरे से दो बार आमने सामने होगी। भारत की अंडर-19 टीम अपना अभियान 29 दिसंबर को अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम के खिलाफ शुरु करेगी और फिर दो जनवरी को दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 टीम से भिड़ेगी। फाइनल 10 जनवरी को खेला जायेगा। अंडर-19 विश्व कप दक्षिण अफ्रीका के ब्लोमफोंटेन में 19 जनवरी से शुरू होगा। भारत को ग्रुप ए में बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है और टीम अपना अभियान 20 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी।

पाक स्पिनर नोमान सर्जरी के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए मैचों से बाहर हुए

सिडनी (ईएमएस)। पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली सर्जरी के कारण मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए दोनो टेस्ट मैचों से बाहर हो गये हैं। नोमान चोटिल होने के कारण पाक टीम से बाहर होने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद भी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण सीरीज से बाहर हो गये थे। नोमान इस सीरीज में पहले टेस्ट में भी नहीं खेल पाये थे। इन दोनो खिलाड़ियों के बाहर होने के कारण पाक टीम को करारा झटका लगा है। पाक को पहले टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। नोमान को अपेंडिसाइटिस का दर्द उठने के कारण मेलबर्न के एक अस्पताल में उनकी सर्जरी करायी गयी है। पाक टीम प्रबंधन ने अपने एक बयान में कहा, ''नोमान ने कल अचानक ही पेट में तेज दर्द की शिकायत की जिसके बाद उनकी जांच की गयी और स्कैन में पता चला कि यह दर्द 'अपेंडिक्स के कारण हो रहा है, इसके बाद उनकी सर्जरी करायी गयी। साथ ही कहा, ''सर्जरी के बाद उनकी हालत अब ठीक हैं।

पहलवानों के विरोध प्रदर्शन पर भड़के बृजभूषण , हम इसमें क्या कर सकते हैं

लखनऊ। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने पहलवानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बृजभूषण के करीबी संजय सिंह के नये अध्यक्ष बनते ही पहलवानों में जबरदस्त नाराजगी है। इसी कारण पहलवान साक्षी मलिक ने जहां संन्यास ले लिया है, वहीं बजरंग ने सम्मान वापस लौटाने की बात कही है। बृजभूषण ने कहा कि इन पहलवानों के साथ देश का एक भी पहलवान नहीं है। अब उनके विरोध पर क्या मैं फांसी लगा लूं? कुश्ती को एक ग्रहण लगा था। 11 महीने और तीन दिनों तक यह ग्रहण रहा। चुनाव हुआ और पुराने महासंघ के समर्थित प्रत्याशी संजय सिंह उर्फ बबलू को जीत मिली है। जीत भी 40 और 7 के अंतर से हुई जो कुश्ती का काम है उसको अब आगे बढ़ाना हमारा लक्ष्य है। वहीं साक्षी के सन्यास लेने पर उन्होंने कहा कि पहलवान अगर अभी विरोध कर रहे हैं या साक्षी ने अलविदा कह दिया है कुश्ती को तो इसमें मैं क्या कर सकता हूं, इसमें हम क्या उनकी मदद करें। ये पहलवान जो पिछले एक साल से हमारे खिलाफ अपशब्द बोल रहे है आज भी वही कर रहे हैं। 12 महीने से हमें इस प्रकार से अपशब्द कहने का अधिकार उन्हें किसने दिया है। आज वह चुनाव पर ही सवाल खड़ा कर रहे हैं।

चानू अब विश्वकप से ही वापसी करेंगी

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू अब विश्वकप से ही वापसी करेंगी। चानू अगले साल फरवरी में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप से भी बाहर रहेंगी। चानू अभी पटियाला में 'रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजर रही हैं। वह अगले साल फरवरी में अमेरिका जाकर डाक्टर आरोन होर्शिग से भी सलाह लेंगी हैं। चानू ने कहा, 'चोट के कारण मैंने विदेश की यात्रा नहीं की। लेकिन उम्मीद है कि फरवरी में अपने फिजियोथेरेपिस्ट के पास मांसपेशियों की मजबूती और कुछ 'हाई परफोरमेंस ट्रेनिंग के लिए अमेरिका की यात्रा करूं। उन्होंने कहा, 'वह मेरी काफी मदद करते हैं जिससे मेरा प्रदर्शन बेहतर भी होता है। विदेशी कोच की जरूरत नहीं है। एक अच्छा फिजियोथेरेपिस्ट आपको अच्छी ट्रेनिंग में मदद कर सकता है। एशियाई चैम्पियनशिप में नहीं खेलने से चानू की क्वालीफिकेशन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वह इस समय ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के अनुसार एक भारोत्तोलक को 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप (थाईलैंड के फुकेट में 31 मार्च से 11 अप्रैल तक) में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इन दोनों टूर्नामेंट के अलावा एक भारोत्तोलक को 2023 और 2024 महाद्वीपीय चैम्पियनशिप, 2023 ग्रां प्री एक और 2023 ग्रां प्री दो में से किसी तीन में हिस्सा लेना जरूरी है।

मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब और 2023 की 5वीं ट्राफी जीती

जेद्दा (सऊदी अरब) (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार को यहां क्लब विश्व कप फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से हराकर 2023 में पांचवां खिताब अपने नाम किया। मैनचेस्टर सिटी ने महज 40 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बना ली थी जब जूलियन अल्वारेज ने गोल दागा। फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गई और फिर फिल फोडेन ने 72वें मिनट में टीम का तीसरा गोल किया।

अल्वारोज ने 88वें मिनट में अपने दूसरे गोल से मैनचेस्टर सिटी को 4-0 पर ला दिया। इससे मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब अपनी झोली में डाला और उसने यूरोप को फीफा की इस क्लब प्रतियोगिता के 17 चरण में 16वीं ट्राफी दिलाई। मैनचेस्टर सिटी इस साल एफए कप, प्रीमियर लीग, चैम्पियंस लीग और सुपर कप खिताब जीत चुका है।

पेप गुआर्डियोला इस जीत से तीन विभिन्न टीमों के साथ क्ल विश्व कप जीतने वाले पहले कोच बन गए। उन्होंने बार्सिलोना को 2009 और 2011 में यह खिताब दिलाया था। फिर 2013 में बायर्न म्यूनिख को भी यह ट्राफी दिलाई थी। गुआर्डियोला ने शांति से इस जीत का जश्न मनाया, वह फ्लूमिनेसे के कोच फर्नांडो डिनिज को सांत्वना देने पहुंचे, उनसे हाथ मिलाया और उनके कंधों पर हाथ रखा। फिर वह फेलिपो मेलो के साथ गले मिलते और मुस्कुराते दिखे।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से वापसी करेंगी ओसाका

ब्रिस्बेन। जापान की महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका इस माह के अंत में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से वापसी करेंगी। ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले 31 दिसंबर से शुरु हो रहे ब्रिस्बेन वार्म-अप टूर्नामेंट में खेलेंगी। टूर्नामेंट के अधिकारियों ने कहा है कि ओसाका का खेलना तय है। वह 2024 सत्र की शुरूआत में सात स्पर्धाओं में भाग लेंगी। दो बार की ऑस्ट्रेलियन और अमेरकी ओपन विजेता ओसाका ने पिछले साल गर्भवती होने के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन से नाम वापस ले लिया था। वहीं ओसाका ने अपने एक बयान में कहा कि मैं कोर्ट पर वापस आने और प्रतिस्पर्धा करने को लेकर उत्साहित हूं। मुझे हमेशा ब्रिस्बेन में अपना सत्र शुरू करना पसंद है और मैं वापसी का इंतजार नहीं कर सकती।

आकाश चौपड़ा का खुलासा, सीएसके में ट्रेविस हेड का कोई रोल रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि सीएसके की टीम में ट्रेविस हेड का कोई रोल रहीं था। अच्छा हुआ जो उन्हें नहीं लिया गया। बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग के अगले साल खेले जाने वाले एडिशन के लिए दुबई में 19 दिसंबर को नीलामी हुई। इसमें कई खिलाड़ियों पर जमकर पैसों की बारिश हुई तो कई अनसोल्ड भी रहे। ट्रेविस हेड को सनराइजर्स हैदराबाद ने भारी रकम देकर अपनी टीम में शामिल किया। हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स भी हेड पर बोली लगाती दिखाई दे रही थी। लेकिन बाद में वह पीछे हट गए थे। सीएसके के इस फैसले पर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि अच्छा हुआ सीएसके ने उन्हें नहीं लिया। उनका टीम में कोई यूज नहीं। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि सीएसके की टीम ट्रैविस हेड की ओर जा रही थी। हम थोड़ा हैरान थे। वे शायद उसे मोईन अली के बैकअप के रूप में रखने की कोशिश कर रहे थे। व्यक्तिगत रूप से मेरी राय यही है कि उनका टीम में कोई रोल नहीं था। वह मोईन अली के बैकअप के रूप में इस्तेमाल नहीं किए जा सकते थे।

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि डेवोन कॉनवे ओपनिंग करते हैं, ट्रैविस हेड भी ओपनिंग करते हैं। अगर ट्रैविस हेड को मध्य क्रम में भेज दिया होता तो वो रन नहीं बना पाते। इसलिए यह अच्छा है कि आपने उन्हें नहीं लिया। हैदराबाद ने उन्हें लिया और सीएसके को मोइन अली के स्थान पर रचिन रवींद्र मिल गए। जिसे उन्होंने सिर्फ 1.80 करोड़ में लिया। ट्रैविस हेड 2016 और 2017 के आईपीएल में उतर चुके हैं। वे आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स में भी रह चुके हैं। रन रिकार्ड की बात करें तो हेड ने आईपीएल के 10 मैच में 29 की औसत से 205 रन बनाए हैं। एक अर्धशतक जड़ा है। उनका स्ट्राइक रेट 139 का रहा है।

मेसी और रोनाल्डो की टीमों के बीच फरवरी में होगा मुकाबला

फोर्ट लॉडरडेल। अगले साल फुटबॉल प्रशंसकों को लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीमें के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। मेसी की टीम सउदी अरब में रियाद में सीजन कप खेलेगी। इसमें उसका मुकाबला रोनाल्डो की टीम अल नासर से एक फरवरी को होगा। सउदी प्रो लीग में ये दोनों क्लब शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं इंटर मियामी के खेल निदेशक क्रिस हेंडरसन ने कहा, 'इन मैचों से हमें नये सत्र के लिए तैयारी में सहायता मिलेगी। अल हिलाल के खिलाफ हमें अपनी क्षमताओं के आंकलन का अवसर मिलेगा। मेसी और रोनाल्डो क्लब के बीच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 35 बार मुकाला हुआ है। इसमें से मेसी की टीम ने 16 और रोनाल्डो की टीम ने 10 मैच जीते हैं। इन मैचों में मेसी ने 21 गोल किए जबकि 12 गोल करने में उन्होंने सहायता की। रोनाल्डो ने 20 गोल किए और एक में उनकी भूमिका रही। मेसी और रोनाल्डो के बीच बार्सीलोना और रीयाल मैड्रिड की ओर से खेलते हुए कई बार मुकाबला हुआ है।

ओलंपिक क्वालीफायर हॉकी के लिए हमारी प्रतिबद्धता दिखाने का मौका : मिडफील्डर सलीमा टेटे

रांची (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय मिडफील्डर सलीमा टेटे ने शनिवार को कहा कि 13 जनवरी से यहां शुरू होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर सिर्फ 2024 पेरिस खेलों के लिए कट हासिल करने के लिए नहीं है बल्कि महिला हॉकी टीम के लिए यह खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने का मौका भी है। भारत सहित 8 टीम यहां पेरिस ओलंपिक के लिए दाव पर लगे तीन स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगी जिसमें मेजबानों की भिड़ंत शुरूआती दिन अमेरिका से होगी।

सलीमा टेटे ने कहा कि रांची में यह टूर्नामेंट सिर्फ क्वालीफिकेशन के लिए ही नहीं है बल्कि यह उस खेल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और जज्बे को दिखाने का मौका भी होगा जिसे हम पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, उम्मीद है कि हम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लेंगे। भारत को पूल बी में अमेरिका, न्यूजीलैंड और इटली के साथ रखा गया है जबकि पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य की टीम हैं।

भारतीय टीम हांगझोउ एशियाई खेलों के दौरान ओलंपिक के लिए स्वत-क्वालीफाई करने का मौका चूक गयी थी और यहां पेरिस के लिए कट हासिल करने का एक और प्रयास करेगी। तोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय टीम का हिस्सा रहीं 21 साल की खिलाड़ी ने कहा कि घरेलू मैदान पर दर्शकों के समर्थन से टीम को अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

झारखंड के सिमडेगा जिले की खिलाड़ी सलीमा ने कहा कि रांची लौटना हमेशा ही घर वापसी जैसा लगता है। इस शहर का मेरे दिल में एक विशेष स्थान है, जहां हॉकी के प्रति मेरा लगाव बढ़ा और मैंने अपना कौशल निखारा। उन्होंने कहा कि दर्शकों का समर्थन और उनकी ऊर्जा शानदार है, उनके उत्साह से मैदान पर हमारा भी उत्साह बढ़ता है। हम मैदान पर दर्शकों के लिए ऐसा पल बनाने का प्रयास करेंगे जो वे संजोकर रखें।

भारतीय टीम ने साल के शुरू में रांची में ही महिलाओं की एशियाई चैम्पियंस ट्राफी हासिल की थी। भारत 14 जनवरी को न्यूजीलैंड से खेलेगा जबकि पूल के अंतिम मैच उसकी भिड़ंत 16 जनवरी को इटली से होगी।

पेरिस ओलंपिक में भाग लेना चाहती है दीपा

कोलकाता। भारतीय महिला जिम्नास्ट दीपा करमाकर का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में भाग लेने के साथ ही पदक जीतना है। दीपा सर्जरी से भी अब उबर गयी हैं और फिर हैं। दीपा ने कहा कि मैं अब पूरी तरह से फिट हूं। मैं अपना शत प्रतिशत दे रही हूं और अपने कोच बिश्वेश्वर नंदी के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के लिए मेहनत कर रही हूं। अक्टूबर में बेल्जियम में विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले पाने के कारण दीपा के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करन कठिन रहेगा पर वह इसको लेकर सकारात्मक रहना चाहती हैं और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना अब बहुत कठिन है। मैं प्रशिक्षण में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं। गौरतलब है किपिछली बार सितंबर में हंगरी में विश्व चैलेंज कप में हिस्सा लेने वाली दीपा अब अगरतला में नंदी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं।

हंसगुल्ले

मोहन : सोहन तुम मुझे एक हजार रुपए उधार दे दो तो मैं तुम्हारा जिंदगी भर ऋणी रहूंगा।
सोहन: नहीं यार मोहन। मैं तुम्हें इतने लंबे समय के लिए ऋण नहीं दे सकता हूं।

●●●●

एक आदमी टैक्सी में बैठा और ड्राइवर से बोला : जरा तेज चलो वरना मेरा चित्रहार निकल जाएगा।
ड्राइवर: अगर मैं ज्यादा तेज चला तो ऐसा न हो कि आपके और मेरे चित्रों पर हार चढ़ जाए।

●●●●

एक यात्री किसान से: अगर मैं तुम्हारे खेत से होकर जाऊं तो क्या पांच बजे वाली गाड़ी पकड़ सकता हूं।
किसान : बिल्कुल पकड़ लोगे और यदि तुम्हें मेरे कुत्ते ने देख लिया तो तुम चार बजे वाली गाड़ी भी पकड़ सकते हो।

●●●●

एक लड़का आंखों के डॉक्टर के पास गया और बोला, मुझे चश्मा बनवाना है।
डॉक्टर : किसके लिए बनवाना है।
लड़का : मास्टरजी के लिए। उन्हें मैं गधा दिखाई देता हूं।

●●●●

किसी के सुतली में बंधे रुपए गिरे हैं क्या। एक आदमी ने बाजार में खड़े होकर पूछा।
मेरे गिरे हैं। एक साथ कई लोग बोले। आदमी बोला : मुझे तो सिर्फ सुतली ही मिली है।

●●●●

मेहमान : क्या बात है, मैं जब भी खाना खाता हूं, आपका कुत्ता मुझे घूरने लगता है।
मेजबान : क्योंकि हमारा कुत्ता अपनी प्लेट पहचानता है।

●●●●

संजय : मदन तुम बात करते समय हमेशा अपने मुंह में शकर क्यों रख लेते हो।
मदन : क्योंकि मास्टरजी ने हमेशा मीठा बोलने को कहा है।

●●●●

सेठजी कार से जा रहे थे। अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए। धक्का लगा तो उन्होंने ड्राइवर से पूछा। ड्राइवर बोला : सामने एक पत्थर आ गया था।
सेठजी : तो हार्न क्यों नहीं बजाया।

●●●●

पहेलियाँ

दूध की कटोरी में
काला पत्थर,
जल्दी से तुम बताओ
सोच कर।

●●●

पाँच अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा सीधा एक समान।

●●●

चाची के दो कान,
चाचा के नहीं कान,
चाची अति सुजान,
चाचा को कुछ ना ज्ञान।

●●●

तीन अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा सीधा एक समान,
मैं हूं एक जाति का नाम।

●●●

वायुमण्डल की ऊपरी सतह पर,
भाईयों में पाई जाती हूं,
सूर्य की कॉस्मिक विकिरण से,
सभी जीव की जान बचाती हूं।

●●●

उत्तर - आँख, मलयालम, तवा और कड़ाई, ईसाई,
वायुमंडल की ओजोन परत

रास्ता खोजो

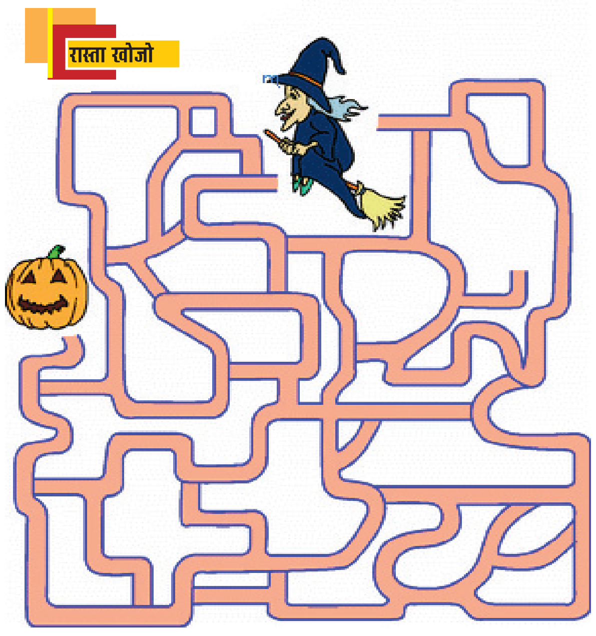

छड़ी का जादू

सुजान नगर में लखपतराय नाम का एक धनी व्यापारी रहता था। उसका बेटा था करोड़ीमल, जो बहुत ही होनहार और मेहनती था। बहुत छोटी उम्र से ही व्यापार में अपने पिता का हाथ बंटाने लगा।
एक दिन अचानक सेठ लखपतराय का निधन हो गया। अब घर और व्यापार की जिम्मेदारी करोड़ीमल पर आ गई। मेहनती करोड़ीमल ने अपनी दुकानों की बिक्री में कोई कमी नहीं आने दी, लेकिन जब भी साल के अंत में वो हिसाब लगाता था, घाटा ही उसके हाथ लगता।
साल दर साल हो रहे इस घाटे से वो परेशान हो गया। अब उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर किया क्या जाए? इस चिन्ता में वो कमज़ोर होता जा रहा था। उसे किसी ने ज्योतिषी से अपनी ग्रह-दशा दिखाने को कहा, सो उसने किया। ज्योतिष ने उससे कहा कि शनि की वक्रदृष्टि की वजह से ये सब हो रहा है। जिसका निवारण भी करोड़ीमल ने किया। इसके बावजूद उसे कोई फायदा नहीं हुआ।
एक दिन नगर में सिद्ध महात्मा जी का आगमन हुआ। इसकी जानकारी करोड़ीमल को मिली। वो उनसे मिलने पहुंच गया। महात्मा जी से उसने अपना सारा हाल बताया। साथ ही यह भी कहा कि शनि की वक्रदृष्टि की वजह से ये सब समस्याएं आई हुई हैं। शनि की इस दशा से मुक्ति के लिए कोई कारगर उपाय मांगा।
करोड़ीमल की सारी बात गम्भीरता से महात्मा जी ने सुनी, जिसके बाद वे समझ गए कि करोड़ीमल को समस्या क्या है?
महात्मा जी ने उसे अगले दिन आने को कहा। दूसरे दिन जब वो महात्मा जी से मिलने गया, तो उन्होंने उसे एक छड़ी दी और कहा 'वत्स, ये करामाती छड़ी है। इसे अपने पास रखो। इससे तुम्हें व्यापार में मुनाफा होने लगेगा। पर एक बात ध्यान रखना इस छड़ी को अपने कार्यस्थलों पर एक-एक बार ज़रूर ले जाना। सबसे खास बात यह है कि ये सिर्फ एक साल के लिए ही तुम्हें दे रहा हूं।'
करोड़ीमल सिर झुकाकर आभार व्यक्त करते हुए चला गया। अब वो बहुत प्रसन्न था। घर आया तो उसे बहुत तेज़ भूख लगी, सो वो रसोईघर में चला गया। वहां देखा कि रसोईयों के साथ अन्य नौकर मिलकर आटा, दाल, चावल, चाय आदि सामान अपने घर ले जाने के लिए निकालकर गठरियों में बांध रहे हैं।
करोड़ीमल के अचानक आ जाने से सबके होश उड़ गए। नौकरी जाने के डर से सभी नौकर करोड़ीमल से माफी मांगने लगे। करोड़ीमल ने आइंदा ऐसा न करने की हिदायत देकर उन्हें छोड़ दिया। अनायास ही चोरी पकड़े जाने की वजह से छड़ी से वो बेहद प्रभावित हुआ।
दूसरे दिन वो छड़ी को अपने साथ दुकान ले जा रहा था, तभी रास्ते में गोदाम पर रुक गया। गोदाम में भीतर जाने पर उसने पाया कि नौकर पीछे के दरवाज़े से गोदाम का अनाज गाड़ी में रखवा रहे हैं। करोड़ीमल को अचानक वहां पाकर नौकर सकते में आ गए। सभी हाथ जोड़कर माफी मांगने लगे। करोड़ीमल ने चोरी न करने की शपथ दिलवाकर छोड़ दिया। गोदाम से सीधे वो दुकान पहुंचा, तो देखा कर्मचारी माल तो बेच रहे हैं, पर धन अपनी जेब में रख रहे थे। करोड़ीमल ने उनपर गुस्से की नज़र डाली। दोपहर बाद वो दुकान से फलों के बगीचे में जा पहुंचा। वहां उसने देखा कि बागवान और अन्य नौकर सोए पड़े हैं। जानवर पेड़-पौधे व फलों को खा रहे हैं। पिछले दो-तीन दिनों से पेड़ों में पानी भी नहीं दिया गया था। उसने कान पकड़कर नौकरों को उठाया और उनको खूब डांटा-फटकारा। वहां से चलकर जब वह अपनी दूसरे नम्बर की दुकान पर पहुंचा, तो वहां का दृश्य देखकर ठगा-सा रह गया। मैनेजर अपने यार-दोस्तों के साथ दुकान के अंदर ही जुआ खेल रहा था और नौकर ग्राहकों को सस्ते भाव में सौदा बेच रहे थे। आधे पैसे गल्ले में तो आधे अपनी जेबों में भर रहे थे।
करोड़ीमल को लगा ये सब तो महात्मा जी की जादुई छड़ी का कमाल है। इसलिए वह इस छड़ी को लेकर दुकान, गोदाम, रसोईघर और बगीचे में रोज़ तीन-चार बार चक्कर लगाने लगा। मालिक के बार-बार आने-जाने और ध्यान रखने की वजह से नौकर भी सम्भल गए और चोरी करना छोड़ दिया। अब वर्ष के अंत में जब हिसाब हुआ तो करोड़ीमल को मुनाफा हुआ। हुए मुनाफे को देखकर वो बहुत ही खुश हो गया। उसने सोचा इस छड़ी ने शनि के बुरे प्रभाव को नष्ट कर दिया, लेकिन जैसे ही महात्मा जी की शर्त याद आई वो बहुत दुखी हो गया। उसे डर था कि छड़ी के जाने के बाद उसे फिर से घाटा होने लगेगा। छड़ी लौटाने की घड़ी भी आ ही गई और वो महात्मा जी के पास पहुंचा और बोला 'इस छड़ी की जादुई शक्तियों और आपकी कृपा की वजह से मुझे इस वर्ष मुनाफा हुआ है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि ये छड़ी एक और वर्ष के लिए मेरे पास रहने दीजिए। अगले वर्ष मैं इसे अवश्य ही लौटा दूंगा।'
करोड़ीमल की बात सुनकर महात्मा जी मुस्कुराते हुए बोले 'वत्स, इस छड़ी में कोई जादुई शक्ति नहीं है। ये तो एक सामान्य सी छड़ी है। चमत्कार तुम्हारी नई सोच की वजह से हुआ है। पहले अपने काम को दूसरों के भरोसे छोड़ दिया करते थे। और दूसरे तुम्हारे साथ धोखा किया करते थे, वस्तुतः तुमको नुकसान सहना पड़ता था। जब तुमने खुद घूमना शुरू किया तो तुम्हारे कर्मचारियों ने चोरी करना छोड़ दिया। और फिर तुम्हारा घाटा मुनाफे में तब्दील हो गया। असल बात तुमको समझ में आ गई। बीते साल की तरह ही कार्य करो, मुनाफा होगा।'
महात्मा जी बात करोड़ीमल की समझ में आ गई। अब वो अपने कार्य किसी के भरोसे नहीं छोड़ता, हर जगह खुद ही घूमता और देखभाल करता। अब उसे दिन दोगुना और रात चौगुना मुनाफा होने लगा।

रंग भरो

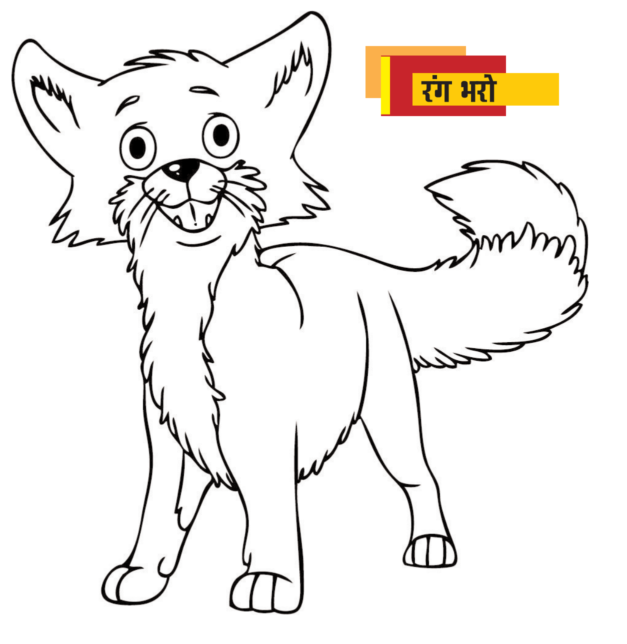

बिंदु मिलाओ

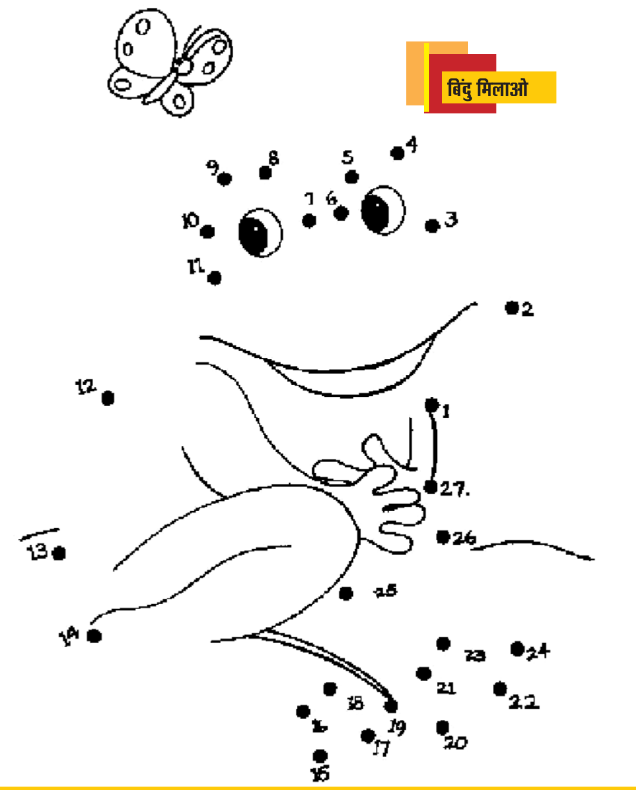

अपनी सुरक्षा खुद ही कर लेती हैं मधुमक्खियां

हमें शहद देने वाली और फूलों प मंडराकर उस शहद को इकट्ठ करने वाली मधुमक्खियां अपन रक्षा करना भी जानती हैं। इसके लिए वे प्रकृति का सहारा लेती है एक प्रकार के पौधे में पाया जा वाला द्रव उनका सुरक्षा कव बनता है, जो उनके छत्ते या निवास को फफूंद से बचाता है

मधुमक्खियां कालोनी बनाकर रहती हैं, जिसमें एक रानी मधुमक्खी, कई नर मधुमक्खियां और बहुत सारी श्रमिक मधुमक्खियां होती हैं। मधुमक्खियों को अपनी कालोनी पर फफूंद के संक्रमण का बहुत खतरा रहता है, इस संक्रमण की मार से कैसे बचा जाए इसके लिए वे अपनी कालोनी को सुरक्षित रखने का पूरा ध्यान रखती हैं। कालोनी को फफूंद के संक्रमण से बचाने के लिए वे उन पौधों का सहारा लेती हैं जिनमें प्रोपोलिस पाया जाता है। प्रोपोलिस रेजिन और मोम का मिश्रण होता है जिससे पौधे फफूंद के संक्रमण से बचे रहते हैं। मधुमक्खियां पौधों से इस प्रोपोलिस को कालोनी में एकत्र करती हैं और उससे फफूंद विरोधी कवच तैयार करती हैं। इस कवच से वे संक्रमण के खतरे से काफी हद तक बच पाती हैं। पौधों में पाया जाने वाला प्रोपोलिस मधुमक्खियों की कालोनी को फफूंद के संक्रमण से बचाने में अच्छी भूमिका निभाता है। संक्रमण का खतरा भांपते ही मधुमक्खियां पौधों से प्रोपोलिस एकत्र करने में जुट जाती हैं, इस स्थिति में वे अपनी प्रोपोलिस एकत्र करने की गति को 45 प्रतिशत तक बढ़ा देती हैं। जब कभी वे पाती हैं कि लार्वा फफूंद से संक्रमित हो गया है तो वे उसे भी अपनी कालोनी से हटाने से नहीं चूकती क्योंकि वे जानती हैं कि संक्रमित लार्वा से फफूंद तेजी से फैलता है। मधुमक्खियों पर यह अध्ययन हाल ही में मिन्सोटा विश्वविद्यालय के मार्ला सिपवैक व नार्थ कैरोलिना स्टेट विश्वविद्यालय के माइकल सिमोन-फिंसटोर्म ने संयुक्त रूप से किया। अवश्य ही मधुमक्खियों पर वैज्ञानिकों का किया यह अध्ययन गौर करने योग्य है। फफूंद का संक्रमण एक बहुत ही जटिल समस्या है। संक्रमण से बचने के लिए मधुमक्खियों के इस तरीके का इस्तेमाल और भी बहुत जगह फफूंद रोकने में उपयोगी होगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खालिस्तानियों की करतूत- अमेरिकी मंदिर में तोड़फोड़ लिखे आपत्तिजनक नारे

कैलिफोर्निया। खालिस्तान समर्थक कनाडा और आस्ट्रेलिया के अलावा अब अमेरिका में भी मंदिरों को निशाना बनाने लगे हैं। उन्होंने हाल ही कैलिफोर्निया के नेवार्क में खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर की बाहरी दीवारों पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थन में नारे लिखे हैं साथ ही उन्हें क्षतिग्रस्त भी किया है। ये मंदिर स्वामीनारायण मंदिर है। जिसकी दीवारों पर काले रंग से आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही नेवार्क पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई। अमेरिका के हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर मंदिर की कुछ तस्वीरों को शेयर किया है। इसके साथ ही फाउंडेशन ने कैप्शन में लिखा कि स्वामीनारायण मंदिर वासना संस्था को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाकर शकी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे हैं, साथ ही उसे क्षतिग्रस्त भा किया है। फाउंडेशन ने इस मामले की जानकारी पुलिस के साथ ही न्याय विभाग के नागरिक अधिकारों को भी दी है। फाउंडेशन का कहना है कि वो चाहती है कि इस घटना की जांच पुलिस इसे हेट क्राइम मानकर करे। वहीं खालिस्तान आतंकवादी भिंडरावाले का जिक्र करते हुए कहा है कि उसने हत्या के लिए हिंदुओं को निशाना बनाया है अब मंदिर को निशाना बनाया जा रहा है ताकि लोगों में खौफ पैदा हो सके। फाउंडेशन का कहना है कि इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि पुलिस इसे घृणा अपराध मानकर जांच करे। इस मामले पर सैन फ्रांसिस्को में मौजूद भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कड़ी आपत्ति जताई है। दूतावास ने स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने की कड़ी निंदा करते हुए बयान दिया है कि इस घटना से भारतीय समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब विदेशी सरजमी पर हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया हो। इससे पहले भी कई बार इस तरह के मामले सामने आए हैं। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में भी खालिस्तानियों ने मंदिरों को निशाना बनाया है। इस तरह की घटनाओं पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए सरकार ने कई राजनयिक मंचों पर इस मुद्दे को उठाया है। इसी साल अगस्त में खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया शहर में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की थी। साथ ही मंदिर के दरवाजे पर खालिस्तानी पोस्टर चिपका दिए थे। ये सारी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाके मेलबर्न में भी इसी साल जनवरी में ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां स्वामीनारायण मंदिर पर भी खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लिखे थे।

सांता बनकर 250 फीट ऊपर बिल्डिंग से गिरा शख्स, देखने वाले ताली बजाते रहे

मास्कों। रूस के चेलियाविंस्क शहर में सांता क्लॉज बना एक शख्स उस समय जान से हाथ धो बैठा जब वह बच्चों को क्रिसमस की बधाई देने के लिए एक इमारत पर चढ़ने लगा। शख्स के अपने बेटे और पत्नी समेत ढेरों बच्चे और आम लोग पास में लगे क्रिसमस ट्री के नजदीक खड़े होकर उसे चीयर कर रहे थे तभी बड़ा हादसा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार हाल में रूस में एक शख्स ने कुछ ऐसा ही किया वह रूसी सांता (ग्रैंडफादर फ्रॉस्ट) बनकर बच्चों के बीच पहुंचा लेकिन उसके साथ दर्दनाक हादसा हो गया था। दरअसल ये शख्स बच्चों के क्रिसमस की बधाई देने के लिए एक इमारत पर चढ़ने लगा। इस दौरान अचानक उसके हाथ से रस्सी छूट गई और वह लगभग 250 फीट नीचे जा गिरा और उसकी उसी समय मौत हो गई। ये दिल दहलाने हादसा था, लेकिन वहां खड़े लोगों को देर तक लगता रहा कि सांता का गिरना उसके एक्ट का ही हिस्सा है लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुका था। एक महिला ने बताया वहां खड़े सभी लोग सदमे में हैं। हर कोई मजे कर रहा था, और कोई सोच भी नहीं सकता था कि ऐसा होगा। मैंने खुद भी आखिरी मिनट तक सोचा कि यह कोई एक्ट है और सेलिब्रेशन चलता रहा। कार्यक्रम का आयोजन करने वाली रेजिडेशियल मैनेजमेंट कंपनी ने घटना के लिए माफ़ी मांगी और कहा कि क्लाइंबर काफी एक्सपीरिएंस्ड था इसलिए उसे ये काम दिया गया था। आज के सेलिब्रेशन ने दुखद रूप ले लिया। कंपनी ने कहा कि हम पुलिस को हादसे के कारणों को समझने में मदद करेंगे और ऐसे एक्ट दोबारा कभी आयोजित नहीं करेंगे। एक महिला ने कहा मेरे पति और बेटा वहां थे जिन्होंने ये दर्दनाक मंजर देखा। सांता बने ये वही क्लाइंबर है जो हमारे अपार्टमेंट ब्लॉक में खिड़कियाँ धोते रहे हैं लेकिन कभी कुछ ऐसा नहीं हुआ। रूसी राज्य जांचकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे और जांच कर रहे हैं कि क्या एक्ट के समय सुरक्षा नियमों में कोई उल्लंघन हुआ था।

एआई बताएगा कब होगी इंसान की मौत और कैसा रहेगा भविष्य

वॉशिंगटन। जैसे-जैसे इंसान तरक्की कर रहा है, उसके नतीजे और ज्यादा भयानक हो रहे हैं। भयानक इसकारण क्योंकि जो चीजें इंसान से छुपी थीं, उनका भी पता इंसान को लगने लगा है। आखिर इंसान के सामने कोई भी चीज राज जैसी नहीं रहेगी। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित मॉडल बनाया है, जो इंसान का डाटा लेकर उसके भविष्य के बारे में सटीक जानकारी दे सकता है, इसमें उसकी मौत का समय भी शामिल है। इस एआई मॉडल का नाम है, लाइफ2 वीईसी जिसे काफी ज्यादा मात्रा में डाटा के साथ तैयार किया गया है और इसके जरिए ये भविष्य का पता लगाता है। इस डेनमार्क और यूएस के वैज्ञानिकों ने मिलकर बनाया है। इस मॉडल को पहले 60 लाख डैनिश लोगों के डाटा दिए गए, जैसे जन्म की तारीख, स्कूल, शिक्षा, सैलेरी, हाउसिंग और स्वास्थ्य. इस आधार पर एआई मॉडल ने अंदाजा लगाया कि आगे क्या हो सकता है। इसके निर्माताओं का कहना है कि इस आधार पर लोगों की मौत का पता भी लगा सकता है। इस मॉडल को 35 से 65 साल के लोगों पर टेस्ट किया गया जिनमें से आधे लोग 2016 से 2020 के बीच मर चुके थे, तब इस मॉडल ने 78 फीसदी सटीक उत्तर देकर बता दिया कि कौन मरेगा और कौन जीएगा। उन्होंने बताया कि मॉडल को डेनमार्क के डाटा के आधार पर तैयार किया गया था, तब मुमकिन है कि ये दूसरे देशों के डाटा को सही ना जांच पाए। उन्होंने कहा कि इसतरह के मॉडल कंपनियों के हाथों में नहीं जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि गौर करने वाली बात ये है कि हमारे मॉडल का उपयोग किसी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि बीमा कंपनियां इसी आधार पर लोगों के पैसे चुकाती हैं। फिलहाल ये मॉडल आम जनता के इस्तेमाल के लिए नहीं है।

चीन के सीक्रेट प्लेन ने अंतरिक्ष में छह अज्ञात वस्तुएं छोड़ी

- एक अमेरिकी रिपोर्ट में किया गया दावा

वाशिंगटन। चीन के सीक्रेट प्लेन ने अंतरिक्ष में छह अज्ञात वस्तुएं छोड़ दी हैं। यह दावा किया गया है एक ताजा अमेरिकी रिपोर्ट में। चीन के रहस्यमय पुन-प्रयोज्य अंतरिक्ष विमान, शेनलोंग उर्फ 'डिवाइन ड्रैगन' ने अपने तीसरे मिशन में केवल चार दिन में रहस्य की एक और परत जोड़ दी है। दुनिया भर के शौकिया पर्यवेक्षक इसके प्रक्षेपण के बाद से अंतरिक्ष यान पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने अब खुलासा किया है कि चीनी अंतरिक्ष यान ने कथित तौर पर छह अज्ञात वस्तुओं को पृथ्वी की कक्षा में छोड़ा था। किस लिए? यहां वह सब कुछ है जो आपको जानना आवश्यक है। शौकिया तौर पर, अंतरिक्ष यान ट्रैकर जो इन रहस्यमय वस्तुओं पर नजर रख रहे हैं, वे उत्सर्जन उत्सर्जित कर रहे हैं। जिन ऑब्जेक्ट पर वो नजर रख रहे हैं, उन्हें ऑब्जेक्ट ए, बी, सी, डी, ई और एफ नाम दिया गया है। स्कॉट टिली एक शौकिया खगोलशास्त्री हैं, जो अपनी उपग्रह ट्रैकिंग विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं, इन वस्तुओं की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। एक्स पर टिली ने वस्तुओं को 'रहस्यमय विंगमैन' के रूप में संदर्भित किया। उन्होंने कहा, 'ऑब्जेक्ट ए या उसके आस-पास का उत्सर्जन पहले के चीनी अंतरिक्ष विमान 'विंगमैन' के उत्सर्जन की याद दिलाता है, इस अर्थ में कि सिग्नल सीमित मात्रा में डेटा के साथ संशोधित होता है। ऐसी अटकलें हैं कि ऑब्जेक्ट ए से उत्सर्जन उसके करीब की किसी वस्तु से हो सकता है, लेकिन यह अटकलें हैं, किसी भी सबूत पर आधारित नहीं है जिसके बारे में मुझे जानकारी है।' स्कॉट टिली ने कहा, 卐यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि चीनी अंतरिक्ष विमान मिशन 1 और 2 के शुरुआती उत्सर्जन के विपरीत, ये उत्सर्जन बहुत रुक-रुक कर होते हैं और लंबे समय तक नहीं रहते हैं।

चेक गणराज्य में एक मेमोरियल में एकत्र लोग चार्ल्स यूनीवर्सिटी में मारे गये लोगों को याद करते हुए।

सिंगापुर भी कोविड 19 की गिरफ्त में, लगातार बढ़ रहा संक्रमण

सिंगापुर। सिंगापुर भी कोविड 19 की गिरफ्त में चल रहा है। यहां पर कोविड के लगातार मामले बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ओंग ये कुंग ने कहा है कि कोविड-19 की नई लहर में सिंगापुर में संक्रमण के मामले संभवत: चरम पर पहुंच चुके हैं, इसलिए मास्क पहनने को अनिवार्य करने जैसे अतिरिक्त उपायों को लागू करने की आवश्यकता नहीं है। मी ?डिया की एक खबर में शुक्रवार को उत्तरी सिंगापुर के वुडलैंड्स में एक स्वास्थ्य परिसर के उद्घाटन के अवसर पर ओंग के हवाले से कहा कि मामलों में थोड़ी वृद्धि हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि इस लहर का यह चरम है। मंत्री ने कहा, 'हमारे पास अस्पताल में 10,000 बिस्तरों वाली मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली हैं। 600 या 700 बिस्तर पर मरीजों के होने का मतलब है कि छह-सात प्रतिशत बिस्तर पर संक्रमित मरीज हैं, जो कम नहीं है। यह हमारे स्वास्थ्य कर्मियों और हमारे तंत्र पर काम के अच्छे खासे दबाव जैसा है। ओंग ने कहा कि हम आकलन कर रहे हैं, कि क्या हम अतिरिक्त एसएमएम (सुरक्षित प्रबंधन उपायों) के बिना इसका सामना कर सकते हैं। पिछले कुछ दिनों में संक्रमितों की अनुमानित संख्या में कमी आई है। ऐसे संकेत हैं कि मामले थम गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती होने और गहन देखभाल की आवश्यकता संक्रमण के मामलों से कम रहती है। मामले लगातार चार सप्ताह से बढ़ रहे हैं। 12-18 नवंबर में संक्रमितों की संख्या 10,726 थी जबकि 10-16 दिसंबर में यह बढ़कर 58,300 हो गई। मंत्री ओंग ने स्वीकार किया कि क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के दौरान संक्रमण फैलने की आशंका है। उन्होंने सिंगापुरवासियों को बीमार होने पर मास्क पहनने और घर पर रहने तथा टीकाकरण कराने के लिए कहा। वरिष्ठ नागरिकों या गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए साल में एक बार टीकाकरण कराना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

यूक्रेन के पास नहीं बचे गोला बारुद, अब रुस के आगे सरेंडर कर सकते हैं जेलेंस्की!

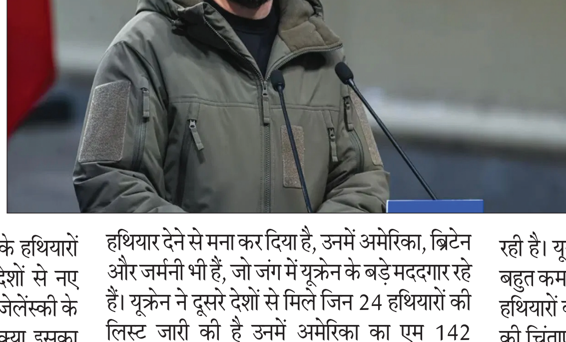

मॉस्को (एजेंसी)। रुस और यूक्रेन के बीच करीब दो सालें से युद्ध चल रहा है। सैनिक भी लड़ते लड़ते थकने लगे हैं और अर्थव्यवस्था भी चौपट होने लगी है। इसी बीच खबर आ रही है कि यूक्रेन के पास आगे की लड़ाई के लिए गोला बारुद नहीं बचे हैं। ऐसे में संभावना यह भी जताई जाने लगी है कि, हो सकता है कि जल्द ही जेलेंस्की रुस के आगे सरेंडर कर सकते हैं। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो देशों से मिले हथियार अब खत्म होने की कगार पर है। रिपोर्ट की मानें तो रूस से लड़ने के लिए यूक्रेन के पास सिर्फ 7 दिन तक के लिए बड़े हथियार बचे हैं। यूक्रेन के हथियारों की एक लिस्ट जारी करते हुए पश्चिमी देशों से नए हथियार और गोला बारूद मांगे हैं, लेकिन जेलेंस्की के मददगारो ने हाथ खड़े कर दिए हैं। तो क्या इसका मतलब ये निकाला जाए कि जनवरी में यूक्रेन की हार तय हो चुकी है।

माना जा रहा है कि हथियारों के बिना रूस के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा यूक्रेन लाचार हो जाएगा। यूक्रेन के पास अब इन हथियारों के लिए गोला-बारूद नहीं बचा है। जिन देशों ने यूक्रेन को और ज्यादा हथियार देने से मना कर दिया है, उनमें अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी भी हैं, जो जंग में यूक्रेन के बड़े मददगार रहे हैं। यूक्रेन ने दूसरे देशों से मिले जिन 24 हथियारों की लिस्ट जारी की है उनमें अमेरिका का एम 142 हिमारस रॉकेट सिस्टम, टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम एटीएसीएमएस, हारपून मिसाइल, ब्रिटेन का स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइल, ब्रिटेन का लेंजर-2 टैंक, अमेरिका का ब्रैडली लड़ाकू वाहन, स्वीडन का सीवी-90 लड़ाकू वाहन, फ्रांस और डेनमार्क से मिली सेजार- सेल्फ प्रोपेल्ड तोप, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से मिले एम 777 तोप जैसे कई खतरनाक हथियार शामिल हैं।

हथियारों के खत्म होने के बाद सवाल यह है कि बिना हथियारों के यूक्रेन रूस से कैसे लड़ेगा यूक्रेन? क्या यूक्रेन के हथियारों का खत्म होते जाना जेलेंस्की के सरेंडर की तैयारी है? इस समय यूक्रेन को बड़े स्तर पर हथियारों की जरूरत है। खासकर जमीनी जंग लड़ने के लिए आज यूक्रेन को अच्छी आर्टिलरी की निहायत जरुरत है, लेकिन नाटो से मिले तोपखाने बेकार होते जा रहे हैं। क्योंकि नाटो देशों के पास भी गोला बारूद की कमी होती जा रही है। यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को हथियार देना या तो बहुत कम कर दिया है या फिर लगभग बंद कर दिया है। हथियारों की कमी होने से यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की चिंताएं बढ़ गई हैं। रूस के खिलाफ अगर जंग में टिके रहना है तो यूक्रेन के गोला-बारूद की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार यूरोपीय देशों द्वारा यूक्रेन को मदद करने में असमर्थता जताने की वजह के पीछे उनके खुद के हथियार भंडारों में कमी आ जाना है। इस बीच यूरोप के 130 से अधिक सांसदों ने अमेरिका से अपना समर्थन जारी रखने का आग्रह किया।

ट्रंप को फिर झटका, कोर्ट ने जल्द सुनवाई वाली याचिका कर दी खारिज

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में अगले साल होने जा रहे चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मैदान में उतर पाएंगे या नहीं, इसको लेकर संशय की स्थिति बन रही है। दरअसल, कोलोराडो कोर्ट ने 2024 का चुनाव लड़ने के लिए उन्हें अयोग्य ठहरा दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा कि ट्रंप अगले साल अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं ले सकते हैं। हालांकि, कोर्ट के आदेश को पलटने के लिए डोनाल्ड ट्रंप के पास समय है। वह चार जनवरी तक सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं।

ट्रंप को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई करने के ट्रंप के आवेदन को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में जल्द सुनवाई नहीं करेगा। दरअसल, ट्रंप ने निचली अदालत के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी और इस मामले में जल्द सुनवाई की अपील की थी। मगर शीर्ष अदालत ने ट्रंप के रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया।अगर सुप्रीम कोर्ट निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखता है तो डोनाल्ड ट्रंप अगले साल राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। बता दें कि यह पूरा मामला 6 जनवरी 2021 का है, जब ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। नतीजे आने के बाद उन्होंने कैपिटल हिल पर धावा बोल दिया था। भारी संख्या में ट्रंप के समर्थन अमेरिकी संसद में घुस गए थे। इस दौरान उनके समर्थकों ने हिंसा भी की थी।

बता दें कि इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी। बाद में उन पर कैपिटल हिल में हिंसा भड़काने का आरोप लगा। बता दें कि कोलाराडो कोर्ट ने इस मामले पर 4-3 से फैसला सुनाते हुए ट्रंप को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किया था। अमेरिका के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी राष्ट्रपति उम्मीदवार को व्हाइट हाउस की रेस में शामिल होने से पहले अयोग्य करार दे दिया गया हो।

सनम जावेद ने जेल से भरी हुंकार, कहा शहबाज शरीफ के खिलाफ लड़ेंगी चुनाव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में होने जा रहे चुनाव की सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। 8 फरवरी को यहां आम चुनाव है और नेताओं ने एक दूसरे के खिलाफ कमर कस ली है। इसी बीच जेल में बंद सनम जावेद ने ऐलान किया है कि वे पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। पीटीआई की सनम जावेद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पीएमएल-एन चीफ मरियम नवाज के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। सनम के चुनाव लड़ने की घोषणा उनके पिता जावेद इकबाल ने की है। इकबाल ने दावा किया कि उन्हें अपनी बेटी से नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर कराने में सात दिन लग गए। इस बीच, पीटीआई कार्यकर्ता की मां ने कहा कि वह अपनी बेटी के लिए चुनाव अभियान चलाएंगी। एंटी टेररिज्म कोर्ट ने 2 दिसंबर को जमान पार्क के बाहर पुलिस हमले के मामले में पीटीआई कार्यकर्ता सनम जावेद की जमानत को मंजूरी दे दी थी और उसे 2 लाख रुपये का जमानत बॉन्ड जमा करने का निर्देश दिया था।

पीटीआई कार्यकर्ता के वकील ने कोर्ट में कहा कि एक मामले में जमानत मिलने के बाद पुलिस ने सनम जावेद को दूसरे मामले में गिरफ्तार कर लिया। सनम जावेद पर आरोप है कि उन्होंने 9 मई को प्रदर्शन के दौरान सेना से जुड़ी संपत्तियों पर हमला किया और नुकसान पहुंचाया। हाल ही में सनम जावेद को कोर्ट ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, लेकिन वह जैसे ही लाहौर की कोट लखपत जेल से बाहर निकलीं, पुलिस ने उन्हें एक दूसरे मुकदमे में गिरफ्तार कर लिया और उसे दोबारा सलाखों के पीछे भेज दिया। वकील ने कोर्ट से सनम जावेद को जमानत देने का अनुरोध किया। बता दें कि 9 मई की घटनाओं को लेकर सनम जावेद सहित पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की लगभग एक दर्जन से अधिक महिलाएं पिछले पांच महीने से अलग-अलग जेलों में बंद हैं। वहीं, पीटीआई कार्यकर्ता के वकील ने कोर्ट में कहा कि एक मामले में जमानत मिलने के बाद पुलिस ने सनम जावेद को दूसरे मामले में गिरफ्तार कर लिया।

भारत के दरवाजे तक पहुंची हूतियों की हिंसा! गुजरात के पास टैंकर जहाज पर हमला, मोदी ने भेजे इंडियन नेवी के युद्धपोत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तट के पास हिंद महासागर में लाइबेरिया के झंडे वाले टैंकर पर ड्रोन से हमला किया गया है। अरब सागर में हुए इस हमले की कई रिपोर्टों में पुष्टि हुई है। एएफपी ने दो समुद्री एजेंसियों के हवाले से बताया कि शनिवार को एक ड्रोन हमले में भारत के तट पर एक व्यापारी जहाज क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। इनमें से एक जहाज इजराइल से संबद्ध व्यापारिक जहाज है, जिस पर भारत के पश्चिमी तट के पास अरब सागर में मानवरहित ड्रोन ने हमला कर दिया, जिससे जहाज में आग लग गई। भारतीय रक्षा अधिकारियों ने कहा कि भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस विक्रम पोरबंदर तट से 217 समुद्री मील दूर अरब सागर में एक व्यापारिक जहाज एमवी केम प्लूटो की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि इसमें ड्रोन हमले के कारण आग लगने की घटना की आशंका है। रक्षा अधिकारियों ने यह भी कहा कि जहाज में कच्चा तेल है और यह सऊदी अरब के एक बंदरगाह से मैंगलोर की ओर जा रहा था। भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि अरब सागर में एमवी केम प्लूटो के आसपास भारतीय नौसेना के युद्धपोत भी बाहरी भारतीय ईईजेड में व्यापारी जहाज की ओर बढ़ रहे हैं। भारतीय तट रक्षक जहाज आईसीजीएस विक्रम पोरबंदर लागत से 217 समुद्री मील दूर अरब सागर में एक व्यापारिक जहाज एमवी केम प्लूटो की ओर बढ़ रहा है। भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि इसमें ड्रोन हमले के कारण आग लगने की घटना की आशंका है। जहाज में कच्चा तेल है और यह सऊदी अरब के एक बंदरगाह से मैंगलोर की ओर जा रहा था।

60 साल बाद चीन फिर से करने जा रहा परमाणु हथियारों की टेस्टिंग

बीजिंग। चीन 60 साल बाद फिर से परमाणु हथियारों का परीक्षण करने वाला है। इस मीडिया रिपोर्ट ने दुनियाभर के देशों को परेशान कर डाला हैं। सैटेलाइट तस्वीरें सामने आने के बाद इसकी आशंका को और बल मिला है। चीन के शिनजियांग में स्थित लोप नूर न्यूक्लियर टेस्ट फैसिलिटी में एक्टिविटी दिखाई पड़ रही है। तस्वीरों से अनुमान लगाया जा रहा है कि चीन जल्द ही परमाणु परीक्षण करने की फिराक में है। तस्वीरें संकेत करती प्रतीत होती हैं कि चीन जल्द ही पूर्ण परमाणु परीक्षण या, संभवत: सबक्रिटिकल परमाणु विस्फोट करने की स्थिति में हो सकता है। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय भू-स्थानिक खुफिया विशेषज्ञ डॉ। रेनी बेबियार्ज़ द्वारा उपलब्ध कराए गए सबूतों पर यह सूचना आधारित है। पेंटागन के पूर्व विश्लेषक डॉ। बार्बियार्ज़ ने लोप नूर सुविधा की उपग्रह इमेजरी का अध्ययन करने में वर्षों बिताए, जहां चीन ने 16 अक्टूबर, 1964 को अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था।

हमास-इस्राइल युद्ध : जंग के बीच सोशल मीडिया पर जारी घटना और मौत के झूठे दावे

तेल अवीव (एजेंसी)। मानवीय त्रासदी को नकारने या कम दिखाने के लिए ग़ज़ा में 'पैलीवुड' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे पैलेस्टाइन और हॉलीवुड को मिलाकर बनाया गया है। इसे फैलाने वालों का दावा है कि हताहतों के हालात को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने के लिए फ़लस्तीनी क्राइसिस एक्टर बनावटी फुटेज प्रसारित करते हैं। इस दावे को ऑनलाइन लगातार शेयर किया जाता है ताकि जनमानस को प्रभावित किया जा सके और अंतरराष्ट्रीय मीडिया को गफ़लत में डाला जा सके। इस संबंध में दिसम्बर के पहले सप्ताह में युद्धविराम ख़त्म होने के बाद दोबारा शुरू हुए संघर्ष के दौरान एक अस्पताल के सामने पांच महीने की फ़लस्तीनी बच्ची मोहम्मद हानी अल-ज़ाहर के शव को लेकर उनकी मां और दादा खड़े थे। लेकिन अपनी बच्ची का शव हाथों में लिए परिवार का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो एक इसराइली अख़बार ने मोहम्मद की एक फ़ोटो जारी करते हुए लिखा कि उनके हाथों में एक गुड़िया थी। तीखी आलोचनाओं के बाद अख़बार ने अपनी वेबसाइट से इस लेख को हटा लिया और सोशल मीडिया पर खेद व्यक्त करते हुए लिखा कि यह लेख ग़लत स्रोतों के आधार पर लिखा गया था। कुछ सप्ताह पहले इसराइली किशोर रोटेम माथियास (16) और उनकी दो बहनों शाक्केड और शीर का एक वीडियो वायरल हुआ। रोटेम ने बयान दिया था कि सात अक्टूबर को हमास के हमले में उनके माता पिता मारे गए थे। हमले के समय वे ग़ज़ा की सीमा से लगे किबुत्ज़ के अपने घर में थे।

हमले के कई दिन बाद मीडिया ने इन बच्चों ने साक्षात्कार दिया था। इस साक्षात्कार का एक एडिटेड क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें झूठा दावा किया गया कि वीडियो में वो एक्टिंग कर रहे थे और अपने माता पिता की मौत के बारे में झूठ बोल रहे थे। वो कैमरे के सामने अपनी हंसी छिपाने की कोशिश कर रहे थे। ये सिर्फ दो उदाहरण हैं, जिन्हें दसियों लाख लोगों ने सोशल मीडिया देखा। यह ग़ज़ा युद्ध को लेकर सोशल मीडिया में गहरे विभाजन को दिखाता है।

एक विश्लेषण से पता चलता है कि अकेले एक्स पर ही, पिछले 10 दिनों में पैलीवुड शब्द के इस्तेमाल में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। इससे पहले जब 2014, 2018 और 2021 में इसराइल और फ़लस्तीन के बीच संघर्ष भड़का था, उस वक्त एक्स पर एक महीने में ही पैलीवुड के इस्तेमाल में लगातार वृद्धि देखी गई, मसलन एक महीने में ये 9,500 से 13,000 बार तक। सात अक्टूबर के बाद नवंबर में पैलीवुड शब्द का इस्तेमाल 2.2 लाख बार किया गया। विश्लेषण में पाया कि एक्स, फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर जो लोग बड़े पैमाने पर पैलीवुड शब्द इस्तेमाल कर रहे हैं, उनमें इसराइली सरकार के अधिकारी, सेलिब्रिटी और अमेरिका और इसराइल के मशहूर ब्लॉगर हैं। दूसरी तरफ़ सात अक्टूबर को हमास के अत्याचार को खारिज करने वाले फ़लस्तीनी समर्थकों द्वारा किसी एक शब्द का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है।

हालांकि सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्टों पर दसियों लाख व्यूज़ हैं। कुछ झूठा दावा करते हैं कि हमास ने उस दिन नागरिकों की हत्या नहीं की थी, कुछ कहते हैं कि हताहतों की संख्या को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया गया। कुछ तो यहां तक झूठे दावे करते हैं कि अधिकांश पीड़ितों को इसराइली सेना ने मारा था, हमास ने नहीं। सुलह कराने के लिए होमे वाली बातचीत का अनुभव रखने वाले एक्सपर्ट आशंकित हैं कि दूसरी तरफ़ के नुकसान को कम दिखाने वाले वायरल दुष्प्रचार का असर दोनों पक्षों के बीच संबंध सामान्य बनाने की दीर्घकालिक संभावनाओं पर पड़ सकता है। संघर्षों, राजनीतिक हिंसा और चरमपंथी कार्रवाईयों के पीड़ितों का समर्थन करने वाली एनजीओ 'टिम पैरी एंड जोनाथनल बाल फ़ाउंडेशन फ़ॉर पीस' में प्रोग्राम प्रमुख हैरिएट वाइकर्स ने कहा, सबसे बड़ा ख़तरा है भरोसे और सहानुभूति का खत्म होना। वो कहती हैं, यह सुलह समझौते की कोशिशों के शुरू होने में भी बड़ी बाधा पैदा करता है। 'ग़लत सूचनाएं और अमानवीय जुमलेबाज़ियों' का हिंसा से पड़ने वाले सीधे प्रभावों से भी ज़्यादा असर पड़ सकता है और ये पीड़ितों को और नुकसान पहुंचा सकते हैं।

संसद सुरक्षा चूक मामले के आरोपी महेश कुमावत पांच जनवरी तक हिरासत में

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने संसद सुरक्षा चूक मामले के आरोपी महेश कुमावत की हिरासत शनिवार को पांच जनवरी तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर ने दिल्ली पुलिस की अर्जी पर आरोपी कुमावत की हिरासत अवधि बढ़ा दी। पुलिस ने अदालत को बताया कि पूरी साजिश का पता लगाने के लिए कुमावत से पूछताछ की जरूरत है। अभियोजन ने अदालत से पहले कहा था कि आरोपी ''देश में अराजकता फैलाना चाहता था ताकि वे सरकार को उनकी अवैध और अनुचित मांगों को मानने के लिए मजबूर कर सकें। पुलिस ने कहा, ''हमले के पीछे के वास्तविक कारण और दुश्मन देश और आतंकवादी संगठनों के साथ उसके संबंध का पता लगाने के लिए हिरासत की आवश्यकता है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, कुमावत सह-आरोपी ललित झा के साथ थाने आया था और दोनों को विशेष प्रकोष्ठ को सौंप दिया गया था। पुलिस ने बताया कि तब से उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने कहा कि वह 'भगत सिंह फैन क्लब पेज का सदस्य था जिसे अब हटा दिया गया है। कुमावत को सबूत नष्ट करने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

देश के इन राज्यों में आज भारी बारिश की संभावना....ओले भी गिर सकते हैं

नई दिल्ली । जहां उत्तर भारत में ठंड पड़ रही है, वहीं कुछ राज्यों में भारी बारिश की भी चेतावनी जारी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, कम से कम छह राज्यों में मौसम का मिजाज बदलने वाला हैं, यानी रविवार को जमकर बारिश होगी। इसके अलावा इन राज्यों में ओले भी गिरने की संभावना हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा के लिए ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, नॉर्थवेस्ट राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, साउथ राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और इंटीरियर ओडिशा के इलाकों में न्यूनतम तापमान छह से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया जा सकता है। न्यूनतम तापमान औसत से अधिक रहने की संभावना है। इसके अलावा, शनिवार की सुबह के समय हरियाणा, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश में घना कोहरा दर्ज किया गया, जबकि नॉर्थ मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी घना कोहरा देखने को मिला। तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे, लक्षद्वीप में अगले पांच दिनों तक हल्की से मध्यम और कुछ जगह पर भारी बारिश होगी। इसके अलावा, पंजाब, उत्तर प्रदेश में 25 दिसंबर को घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। वहीं हरियाणा में 25-28 दिसंबर, पंजाब में 26-28 दिसंबर, नॉर्थ राजस्थान और ओडिशा में 24 और 25 दिसंबर, उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर, उत्तरी मध्य प्रदेश में 24 दिसंबर, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में 27 और 28 दिसंबर को सुबह के समय कुछ इलाकों में कोहरा छाया रहेगा।

सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, 3-4 नक्सली ढेर

सुकमा । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच मुठेभड़ हो रही है। जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ में अब 3 से 4 नक्सली मारे जा चुके हैं। मुठभेड़ काफी देर से जारी है। ये मुठभेड़ सुकमा के गोगुंडा इलाके में हो रही है। सुरक्षाबलों की फायरिंग में 3-4 नक्सली ढेर हो चुके हैं, जबकि कुछ घायल भी हुए है। वहीं सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुकमा के एसपी किरण चव्वाण और सीआरपीएफ डीआईजी अरविंद राय ने बताया कि उन्होंने मुठभेड़ पर नजर बनाई हुई है। वहीं सुरक्षाबल नकस्लियों को घरने की कोशिश में लगे हुए हैं। सुकमा में एनकाउंटर की खबर उस समय में सामने आई है जब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव के साथ दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने पहुंचे हैं। हाल ही में सीएम साय ने नक्सलियों को दो टूक चेतावनी देकर कहा था कि अब छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है। इसके बाद नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। सीएम ने नक्सली हमलों को लेकर बैठक भी की थी और अधिकारियों को नक्सलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया था।

भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना के 752 नए मामले

नई दिल्ली। भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना के 752 नए मामले दर्ज हुए और उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,420 हो गई है। बता दें कि देश में 21 मई 2023 के बाद से एक दिन में सामने आए कोरोना संक्रमण के ये सबसे अधिक मामले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में अब तक सामने आए कोरोना के मामलों की कुल संख्या 4.50 करोड़ (4,50,07,964) है। देश में बीते 24 घंटे में संक्रमण से चार लोगों की मौत होने के कारण इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,33,332 हो गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में केरल में दो और राजस्थान और कर्नाटक में कोविड-19 से एक-एक मरीज की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,71,212 हो गई है। स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है, वहीं मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत 220.67 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। आंकड़ों के अनुसार, 58 देशों में कोविड-19 के कुल 22 हजार 205 पॉजिटिव मामलों में से 45 फीसदी (9,930) नमूने बीए.2.86 या इसके उपस्वरूप जैसे जेएन.1 के लिए सकारात्मक मिले हैं। इनमें आठ देशों डेनमार्क, स्पेन, सिंगापुर, बेल्जियम, नीदरलैंड, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और आयरलैंड में इकट्ठा किए गए 50 फीसदी से अधिक पॉजिटिव नमूनों में यह वेरिएंट मिला है।

सुरंग में 41 श्रमिकों की जान बचाने वालों ने इनाम लेने से किया इंकार

देहरादून । सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को निकालने वाले रैट होल माइनर्स ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा इनाम के तौर पर दिए गए 50,000 रुपये लेने से इनकार कर दिया है। माइनर्स ने कहा कि सीएम द्वारा दी जाने वाली यह राशि उनकी भूमिका के हिसाब से नहीं है। रैट होल माइनिंग की टीम को नेतृत्व करने वाले अधिवक्ता हसन ने कहा कि यह एक निराशाजनक स्थिति थी। जब मशीनें फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंचने में विफल थीं, तब हमने बिना किसी शर्त के अपने जीवन को खतरे में डालते हुए मलबे में मैन्युअल रूप से ड्रिलिंग की। हम मुख्यमंत्री के कदम की सराहना करते हैं, लेकिन हमें जो राशि दी गई है, उससे संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सम्मानित 12 माइनर्स ने सामूहिक रूप से चेक का भुगतान न लेने का फैसला किया है। जिस दिन हमें चेक सौंपे गए थे, उसी दिन मैंने मुख्यमंत्री को अपना असंतोष व्यक्त किया था। उस वक्त अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया कि हमारे संबंध में कुछ घोषणा एक-दो दिनों में की जाएगी, जिसके बाद हम वहां से लौट आए। उन्होंने कहा कि हालांकि, अगर वादा पूरा नहीं किया गया तो हम चेक वापस कर देंगे। ऑपरेशन में मदद करने वाले रैट-होल माइनर्स अपने लिए स्थायी नौकरी की राज्य सरकार से उम्मीद करते हैं। हासन की अध्यक्षता वाली कंपनी रॉकवेल इंटरप्राइजेज के लिए काम करने वाले और फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति मुन्ना ने कहा कि फंसे हुए श्रमिकों को बचाने के लिए किए गए प्रयासों को देखते हुए उन्हें दी गई राशि पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने आगे कहा कि फंसे हुए श्रमिकों को बचाने के लिए हम सचमुच मौत के मुंह में चले गए। हमने अपने परिवार के सदस्यों की बात नहीं सुनी क्योंकि, मानव जीवन को बचाना था। हमारी भूमिका को स्वीकार करने के लिए 50,000 रुपये का चेक बहुत मामूली राशि है। हम सरकार से एक स्थायी नौकरी या रहने के लिए घर मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

बजट का 25 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करना केजरीवाल सरकार का निवेश : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की केजरीवाल सरकार में शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि हर साल बजट का 25 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करना मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नीत सरकार के लिए खर्च नहीं बल्कि एक निवेश है। आतिशी ने कहा कि इस संस्थान की सफलता ने अन्य राज्यों को योगशाला जैसे कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, डीपीएसआरयू को देश के पहले भेषज विज्ञान अनुसंधान विश्वविद्यालय में बदलना शिक्षा के प्रति केजरीवाल सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हर साल शिक्षा में बजट का 25 प्रतिशत निवेश करना दिल्ली सरकार के लिए निवेश है, न कि कोई खर्च।

पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को दिए वोट प्रतिशत बढ़ाने के मंत्र

-भाजपा की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में 4 जातियों पर किया फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त होने के बाद भाजपा ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक आयोजित की। इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को वोट प्रतिशत बढ़ाने के मंत्र भी दिए। बैठक के पहले ही दिन आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों एवं लगातार तीसरी जीत दर्ज करने के लिए आवश्यक भावी कार्यक्रमों की रुपरेखा तय करने के लिए मंथन किया। तकरीबन साढ़े चार घंटे तक चली इस मैराथन बैठक के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पूरे समय मौजूद रहे। इस बैठक की शुरुआत उस दिन हुई जब जंतर-मंतर पर विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस यानी इंडिया का विरोध प्रदर्शन हुआ। जहां से केंद्र सरकार पर तीखे हमले किए गए और देश में लोकतंत्र को खत्म किए जाने का आरोप लगाते हुए इसे बचाने के पक्ष में आवाज बुलंद की गई। हालाकि भाजपा की बैठक को लेकर पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया लेकिन सूत्रों ने बताया कि यह बैठक संगठनात्मक ढांचे को आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सक्रिय करने और मोदी की गारंटी को जनता के बीच अधिक से अधिक पहुंचाने पर केंद्रित रही। इस बैठक की अध्यक्षता जे पी नड्डा ने की।

बैठक में मौजूद एक सूत्र ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के वोट 10 प्रतिशत और बढ़ाने के लिए बूथ स्तर पर बेहद सक्रियता से काम करने के संबंध में एक विषय रखा। बूथ प्रबंधन को चुनौती के रूप में लेने का सुझाव देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके लिए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश का बूथ प्रबंधन उदाहरण हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाएं यदि गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं तक सही से पहुंच जाएं तो इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। जाति आधारित जनगणना के विषय को तूल देने की विपक्षी दलों की कोशिशों की काट के लिए हाल के दिनों गरीब, युवा, किसान और महिलाएं ही चार जातियां हैं। पीएम का कहना है कि अगर इनका कल्याण हो जाए तो 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र होने से कोई नहीं रोक सकता।प्रधानमंत्री ने पदाधिकारियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा पर जोर देने की सलाह दी।

पीएम मोदी ने नए व युवा मतदाताओं को साधने के लिए एक ऐसा अभियान आरंभ करने का भी सुझाव दिया जिससे उन्हें पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार और वर्तमान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के कामकाज का फर्क पता चल सके। भाजपा की संगठन शक्ति का हवाला देते हुए पार्टी नेताओं से पूरी तैयारियों के साथ जनता के बीच जाने का आह्वान भी किया। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने विकसित भारत संकल्प यात्रा को जनता से मिल रही प्रतिक्रिया की जानकारी प्रदेश अध्यक्षों और राज्यों प्रभारियों द्वारा केंद्रीय नेतृत्व को देने का सुझाव भी दिया।

दवाई खरीदी मामले में दिल्ली सरकार की मुश्किलें बढ़ीं, एलजी ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली। अस्तपतालों में दवाई खरीदी मामले में दिल्ली सरकार की मुश्किलें फिर बढ़ने वाली है। एलजी ने सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने एक और मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच के आदेश दिए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक एलजी ने दिल्ली सरकार द्वारा अस्पतालों के लिए खरीदी गई दवाइयों के मामले में जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि मुताबिक लोगों की शिकायतों पर आप सरकार के अस्पतालों ने बेतरतीब ढंग से दवाइयां खरीदी। ये दवाइयां सरकारी और निजी परीक्षण प्रयोगशालाओं में परीक्षण के दौरान फेल पाई गई हैं। एक एजेंसी के ट्वीट के मुताबिक सीएम अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा खरीदी गई अप्रामाणिक दवाएं हो लेकर एलजी ये आदेश दिए हैं। एजेंसी की रिपोर्ट की मुताबिक लोगों की शिकायतों पर आप सरकार ने अस्पतालों के लिये बिना नियमों के दवावाओं की खरीद की थी। ये दवाएं सरकारी और निजी परीक्षण प्रयोगशालाओं में टेस्ट के दौरान विफल साबित हुई हैं। गौरतलब है ?कि सीएम अरविंद केजरीवाल को कुछ दिनों पहले प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में दूसरी बार समन जारी किया था। ईडी ने सीएम से इस मामले में पूछताछ के लिए दफ्तर में पेश होने को कहा था। इसके जवाब में दिल्ली के सीएम ने ईडी के समन को पहली बार की तरह गैर कानूनी करार दिया था। उन्होंने का था कि मुझे ईडी किस हैसियत से पूछताछ के लिए बुलाना चाहती है, पहले यह स्पष्ट करे। इस सवाल का जवाब ईडी ने मुझे अभी तक नहीं दिया है।

भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन... राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर फिर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन धन कुछ हाथों में केंद्रित हो रहा है और बेरोजगारी की चुनौती जारी है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों के साथ बातचीत में उनसे पिछले 10 वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि के बारे में पूछा गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि जब आप आर्थिक विकास की बात करते हैं तो आपको यह सवाल पूछना होगा कि आर्थिक विकास किसके हित में है।

पूछने का प्रश्न यह है कि उस वृद्धि की प्रकृति क्या है और उससे किसे लाभ हो रहा है। भारत में विकास के आंकड़े के ठीक बगल में आपके पास भारत में बेरोजगारी का आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि इसलिए भारत बढ़ रहा है, लेकिन जिस तरह से यह बढ़ रहा है वह बड़े पैमाने पर बहुत कम लोगों की ओर धन केंद्रित कर रहा है। गांधी ने आगे कहा कि हम ऋण मॉडल पर काम कर रहे हैं और अब हम उत्पादन नहीं कर रहे हैं। हमारे पास दो या तीन व्यवसाय हैं जो लगभग संपूर्ण व्यवसाय हैं। उन्होंने कहा, भारत में असली चुनौती यह है कि हम ऐसी उत्पादन अर्थव्यवस्था कैसे स्थापित करें जो बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देने में सक्षम हो।

उन्होंने कहा कि हमारे पास मिस्टर अडानी हैं, हर कोई जानता है कि वह सीधे प्रधानमंत्री से जुड़े हुए हैं। वह हमारे सभी बंदरगाहों, हवाई अड्डों, हमारे बुनियादी ढांचे के मालिक हैं! इस तरह की एकाग्रता के साथ, आपको विकास मिलेगा, लेकिन आपको कोई वितरण नहीं मिलेगा। यह पूछे जाने पर कि यह चुनावी नतीजे या लोगों की लामबंदी में तब्दील क्यों नहीं हुआ, गांधी ने कहा कि बड़े पैमाने पर लामबंदी है, लेकिन चुनाव लड़ने के लिए बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

पहलवान साक्षी मलिक से मिली प्रियंका गांधी, समर्थन का दिया आश्वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन पहलवान साक्षी मलिक से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने एकजुटता व्यक्त कर उन्हें न्याय की लड़ाई में हर तरह से समर्थन देने का आश्वासन दिया। बता दें कि प्रियंका गांधी साक्षी मलिक के आवास पर पहुंचीं और उनसे तथा अन्य पहलवानों से मुलाकात की। इस दौरान प्रियंका गांधी ने साक्षी मलिक को न्याय की लड़ाई में हर तरह से समर्थन देने का आश्वासन देते हुए यह भी कहा, दुनिया भर में देश का नाम रोशन करने वाली महिला खिलाड़ियों ने भाजपा सांसद और तत्कालीन डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, लेकिन भाजपा सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और उल्टे पीड़ितों को तरह-तरह से प्रताड़ित किया गया। प्रियंका गांधी ने कहा कि बीजेपी अभी भी आरोपी के साथ खड़ी है और उसे हर तरह से पुरस्कृत कर रही है। देश की महिलाएं इस अत्याचार को देख रही हैं।

इस पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक जैसे खिलाड़ियों का अपमान सिर्फ उनका नहीं बल्कि पूरे देश का अपमान है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया में भारत का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों का अपनी ही सरकार के सामने इस तरह बेबस होना काफी शर्मनाक है। प्रधानमंत्री को कम से कम इस मामले में तो अपना अहंकार त्यागकर देश को गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ियों को एक बार न्याय का भरोसा दिलाना चाहिए था।

2024 के चुनाव में किसान नहीं देंगे सरकार का साथ : राकेश टिकैत

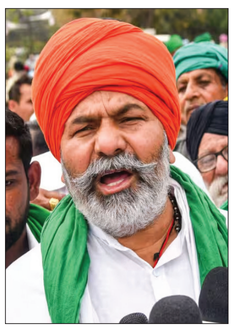

प्रयागराज । भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने किसानों से मुलाक़ात कर उनकी समस्याओं को सुना और निराकरण कराने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने 2024 के चुनाव में सरकार का खुला विरोध करने की बात कही। किसान नेता राकेश टिकैत ने एक बड़ी कार्यशाला में किसानों की मूलभूत समस्याओं पर मंथन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन किसानों का हितैषी हमेशा रहा है और रहेगा। किसानों की समस्याओं पर उन्होंने कहा कि किसानों की सबसे बड़ी समस्या भूमाफियाओं का है। जो लगातार किसान की जमीन को अधिकृत कर रहे है। किसानों की जमीनों को औने पौने दामों पर खरीद कर 10 से 50 गुना ज्यादा मूल्य पर बेचने का काम कर रहे हैं। उन्होंने विकास के नाम पर कहा कि सरकार जमीनों को खरीदने का काम कर रही है। जिसका हम पूर्णतया विरोध करते हैं। राकेश टिकैत ने कानपुर में किसान द्वारा किए गए आत्महत्या के मामले पर कहा कि बिना सरकार की मिली भगत के ये कृत्य नहीं हो सकते है। उन्होंने 2024 में होने वाली लोकसभा चुनाव को लेकर कहा है इस बार किसान किसी भी तरीके से सरकार का साथ नहीं देंगे। उन्होंने कहा पिछली बार सरकार ने हमें लुभावने सपने दिखाए हैं। जिस वजह से इस बार के चुनाव में हम केंद्र या राज्य सरकार के किसी भी झांसे में नहीं आएंगे।

संतों को सनातन धर्म के लिए सक्रिय काम करना चाहिए : भागवत

-सुरक्षा में हुई चूक, पुलिस ने दी सफाई

नई भिागलपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि संतों को सनातन के प्रचार के लिए सक्रिय होकर काम करना चाहिए। उन्होंने भागलपुर के कुप्पा घाट स्थित महर्षि मेंही आश्रम में संतों से संवाद करते हुए कहा कि सनातन धर्म के लिए यदि कोई चुनौती है तो उसे प्रभावी ढंग से और एकजुट होकर निपटाया जाना चाहिए। इस दौरान मोहन भागवत की सुरक्षा में चूक की बात भी कही जा रही है। भागवत शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे महर्षि मेंही आश्रम पहुंचे। आश्रम में भागवत का भव्य स्वागत एवं सत्कार किया गया। भागवत के दौरे को देखते हुए भागलपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस बीच, आरएसएस प्रमुख के आश्रम पहुंचने पर कथित सुरक्षा चूक हुई, जब एक व्यक्ति अचानक आया और भागवत को एक पुस्तक सौंपने का प्रयास किया। कहा गया कि आरएसएस प्रमुख का स्वागत करने वाले लोगों की सूची में उसका नाम नहीं था। मुन्ना बाबा नाम के इस व्यक्ति ने आरएसएस प्रमुख के पैर छूने की भी कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत रोका और जांच की। पत्रकारों से बात करते हुए भागलपुर के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) रौशन गुप्ता ने स्पष्ट किया कि मुन्ना बाबा को वास्तव में आश्रम द्वारा आमंत्रित किया गया था। अखिल भारतीय संत सत्संग संघ के महासचिव दिव्य प्रकाश ने कहा कि मुन्ना बाबा भी आश्रम में नियमित आमंत्रित अतिथि थे। महर्षि में हीं आश्रम भागलपुर के बरारी इलाके में कुप्पा घाट नामक प्राचीन गुफा क्षेत्र के पास स्थित है। कुप्पाघाट में एक गुफा है जहां संतमत महर्षि में हीं ने कई महीनों तक योग और ध्यान का अभ्यास किया था।

जेडीयू और आरजेडी के बीच चल रही तनातनी का कारण बने ललन सिंह की हो सकती है छुट्टी ?

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में काफी उठा पटक होने वाली है। इस तरह के संकेत इसलिए मिल रहे हैं कि यहां आरजेडी और जेडीयू भले ही मिलकर सरकार चला रहे हैं लेकिन भीतर ही भीतर सबकुछ ठीक नहीं है। वजह एक नहीं कई है लेकिन जिस तरह से ललन सिंह को अध्यक्ष पद से हटाने की खबरें चल रहीं है उसके यही मायने निकाले जा रहे हैं जेडीयू में भी दिक्कतें हैं। जिसके चलते जेडीयू में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को जेडीयू अध्यक्ष के पद से हटा सकते हैं। यह फैसला 29 दिसंबर को दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान लिए जाने की संभावना है। कयासों के बीच सूत्रों ने कहा कि नीतीश कुमार खुद पार्टी प्रमुख का पद संभाल सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नीतीश कुमार को उनके करीबी विश्वासपात्रों ने सलाह दी है कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष का पद संभालना चाहिए, क्योंकि इससे पार्टी के भीतर किसी भी तरह की कलह से बचने में मदद मिलेगी। ललन सिंह की जगह किसी नए चेहरे को अध्यक्ष बनाने से कलह शुरू हो सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार ललन सिंह के कामकाज के तरीके और खासकर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ उनकी बढ़ती नजदीकियों को लेकर नाराज हैं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ललन सिंह 2024 का लोकसभा चुनाव फिर से मुंगेर से लड़ने के इच्छुक हैं और वह आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं।रिपोर्टों में कहा गया है कि नीतीश अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इंडिया गठबंधन भागीदारों के साथ अच्छा समन्वय करने में विफलता के कारण भी ललन सिंह से नाराज हैं। ललन सिंह को अगर जेडीयू प्रमुख के पद से हटा दिया जाता है तो वह जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव, आरसीपी सिंह, उपेंद्र कुशवाहा और चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की लीग में शामिल हो जाएंगे। इन नेताओं को पहले नीतीश कुमार के बेहद करीबी होने के बावजूद पद से हटा दिया गया था। बता दें कि इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान नीतीश कुमार ने जनवरी तक सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर जोर दिया। जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव और नीतीश कुमार के करीबी नेता संजय झा ने पार्टी कार्यालय में मीडिया को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार ने विचार व्यक्त किया कि सीट बंटवारा जनवरी तक पूरा हो जाना चाहिए। सभी पार्टियों को एक सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम के साथ काम करना चाहिए।

भाजपा का आरोप...कर्नाटक में शरिया कानून लागू कर रही कांग्रेस सरकार

-हिजाब पर फिर राजनीति शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगी पाबंदी को हटा दिया है। कांग्रेस सरकार के फैसले पर भाजपा राज्य सरकार पर हमलावर है। मालूम हो कि हिजाब को लेकर पिछली भाजपा सरकार की ओर से 2022 में प्रतिबंध लगाया गया था। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध हटाने से राज्य में शरिया कानून लागू होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तब पूरे देश में इस्लामिक कानून लागू होगा। एक बार फिर हिजाब को लेकर राजनीति शुरु हो गई है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, यह महज हिजाब पर प्रतिबंध हटाना ही नहीं है, बल्कि राज्य में शरिया कानून की स्थापना है। अगर राहुल गांधी, कांग्रेस और इंडिया गंठधन की देश में सरकार बनी तब पूरे देश में इस्लामी कानून लागू होगा। यह सुनियोजित योजना का हिस्सा है। यह सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने इस लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया वोट-बैंक की राजनीति कर रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अल्पसंख्यकों के वोट पाने के लिए हो रहा है।

पूर्व सीएम बोम्मई ने कहा, हिजाब हर जगह पहना जाता है, मगर यहां यह ड्रेस कोड का मुद्दा है। सिद्धारमैया स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों के बीच भेदभाव पैदा करना चाहते हैं। वह वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस पर ध्यान भी नहीं दिया। वह अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं और उनकी नजर लोकसभा चुनाव पर है। हम इस फैसले की निंदा करते हैं।

वहीं कांग्रेस की ओर से भाजपा के आरोपों पर पलटवार हुआ है। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि यह कदम कानून के तहत उठाया गया है, इस लेकर राजनीति नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे व राज्य मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, मुझे नहीं लगता कि बीजेपी को संविधान के बारे में जानकारी है। उन्हें संविधान पढ़ने की जरूरत है। कोई भी ऐसा कानून या नीति जो कर्नाटक की प्रगति के लिए सही नहीं है, उस नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। अगर जरूरत पड़ी तब हम उस कानून या नियम को हटाएंगे और यही किया भी गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

दो बीआरटीएस बसों के बीच गंभीर दुर्घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

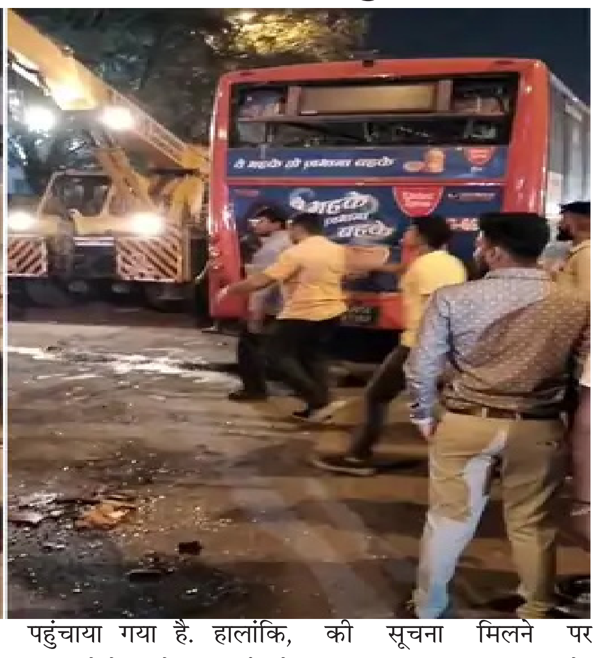

सूरत के कतारगाम इलाके में जीआईडीसी के प्रमुख स्वामी ब्रिज से नीचे उतर रही दो बीआरटीएस बसों के बीच भीषण हादसा हो गया है. जिसमें एक बीआरटीएस के पीछे दूसरी बीआरटीएस बस घुस गई। हादसा दो इलेक्ट्रिक बीआरटीएस बसों की टक्कर से हुआ. हादसे में दोनों बसों के बीच करीब ५ बाइकें कुचल गईं। तभी पता चला कि टेंपो और रिक्शा भी टकरा गए। आशंका है कि इस घटना में १ व्यक्तिकी मौत हो गई. उधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पंसेरिया किरण अस्पताल पहुंचे हैं. जबकि ९ लोग घायल हो गए हैं. मालूम हो कि तीन की हालत गंभीर है. सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है. हालांकि, जब दोनों बसें टकराईं तो दोनों के बीच में मौजूद महिलाएं दूर जा गिरीं। घटना की सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग के कर्मचारी और पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा।

कपड़ा बाजार में दोबारा कारोबार करने आए ठगों को सरेआम थाने ले जाया गया

आरोपी का पुलिस ने सार्वजनिक जुलूस निकाला ताकी दुसरे व्यापारी ठगी से बच सके

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कपड़ा बाजार में ठग लगातार व्यापारियों को चूना लगा रहे हैं। आए दिन सामने आने वाले ऐसे मामलों में ठग मार्केटों में एक बार व्यापासी से ठगी करने के बाद कुछ समय के लिए फरार हो जाते और फिर दुबारा व्यापारियों को ठगने के लिए आते हैं। मार्केट में ऐसा ही ठग दिखाई देने पर व्यापारियों ने इसकी सूचना फोस्टा पदाधिकारियों को दी। फोस्टा पदाधिकारियों ने इस मामले की पुलिस को सूचना देकर ठग को सबके सामने थाने ले जाया गया। मार्केट से

आरोपी को पकडकर पुलिस थाने ले जाया गया

पुलिस थाने तक ठग को पैदल ले जाते हुए उसका सार्वजनिक जुलुस निकाला गया।

सूरत के व्यापारियों से करोड़ो रुपयों का माल लेकर पेमेन्ट न करते हुए धोखाधड़ी कर आरोपी काफी समय से फरार हो गया था। वह आरोपी सिल्कसिटी मार्केट में व्यापारियों को दिखाई देने पर इसकी सूचना फोस्टा अध्यक्ष को दि गई। कपड़ा बाज़ार में फिर से व्यापार करने आए ठगों को पुलिस ने पकड़ लिया। ठग को पकड़कर पैदल थाने ले जाते समय पुलिस ने ठग का जुलूस निकाला। ताकि दूसरी बार व्यापारी इस प्रकार की धोखाधड़ी से दूर रहें और उसके साथ व्यापार न करें।

सोश्यल मीडिया में विडियो सामने आया है कि सलाबतपुरा इलाके में कपड़ा मार्केट में हो रही धोखाधड़ी को रोकने के लिए पुलिस हरकत में आ गई है। आरोपी के खिलाफ पहले भी पुलिस रजिस्टर में शिकायत दर्ज की गई थी। आरोपी धोखाधडी के अपराध में फरार था। आरोपी का पुलिस द्वारा सार्वजनिक जुलूस निकालकर थाने ले जाया गया। फिलहाल पुलिस आगे की जांच कर रही है।

हजीरा हाईवे पर इच्छापोर से मगदल्ला जाने वाले पुल से पानी का रिसाव का ज्ञापन देने पर अधिकारियों की निंद उडी

दर्शन नायक द्वारा जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने ज्ञापन देने पर संबंधित विभाग के अधिकारीयों ने शनिवार को निरिक्षण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। हजीरा क्षेत्र से शुरू होने वाले राष्ट्रीय राज मार्ग पर इच्छापोर से मगदल्ला पुल तक हररोज मोटरसाइकिल, मोटर कार और भारी वाहनों सहित हजारों वाहन गुजरते हैं। इच्छापुर से मगदल्ला की ओर पिछले लंबे समय से पानी की पाइपलाइन से पानी लीक हो रहा है। जल जमाव के कारण इस स्थल पर दुर्घटना की और पुल तथा सड़क के धंसने की संभावना के बावजूद प्रशासन द्वारा जल निकासी की समस्या का समाधान नहीं किया गया है। यदि पानी रिसाव की इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो एक दिन यह पुल गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है।

दर्शन नायक द्वारा इस संदर्भ में शुक्रवार को एनएचएआई के प्रादेशिक अधिकारी को ज्ञापन दिया जिसके बाद आज शनिवार को संबंधित विभाग के अधिकारीओं ने स्थल पर पहुंचकर पानी लीक होने का निरिक्षण किया।

सहकारिता एवं किसान नेता तथा गुजरात प्रदेश कांग्रेस महासचिव दर्शन नायक ने एनएचएआई के प्रादेशिक अधिकारी को ज्ञापन में कहा है कि इच्छापोर से मगदल्ला की ओर पानी पिछले कई दिनों से पुल पर निकल रहा है और लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है, यह पानी कहां से आ रहा है? किस कंपनी की पाइपलाइन निकल रही है? जिस अधिकारी पर पुल निर्माण की तकनीकी जिम्मेदारी है, उन्होंने पुल का डिजाइन तैयार करते समय इस बात पर ध्यान क्यों नहीं दिया? इतने गंभीर मामले पर सुनवाई क्यों नहीं हुई? यह राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क सुरक्षा विभाग की भी जिम्मेदारी है कि जब राजमार्ग पर ऐसा गंभीर मामला सामने आए तो जनता के हित में इसका तुरंत समाधान किया जाए।

आगे बताते चलें कि हाल ही में सूरत प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक सड़क सुरक्षा परामर्श बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें सूरत के सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे जो सराहनीय है। पुलिस विभाग और हाईवे विभाग के कई अधिकारी गश्त के दौरान इस पुल से गुजरते हैं। अगर पुलिस और हाईवे विभाग ने सड़क सुरक्षा का ध्यान रखा है, तो क्यों यह मामला पुलिस और हाईवे विभाग द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इस मामले में पुलिस और हाईवे विभाग समेत संबंधित प्रशासनिक तंत्र को गंभीरता दिखाने की जरूरत है, ताकि बड़े हादसों को रोका जा सके। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के प्रादेशिक नियामक से उपरोक्त निवेदन के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, सूरत जिले में इच्छापुर से मगदल्ला तक पुल के नीचे आने वाली जल लाइन से निकलने वाले पानी को रोकने के लिए तुरंत आवश्यक कार्रवाई करेंऔर साथ ही उन अधिकारियों या ठेकेदारों के खिलाफ भी कार्रवाई करें। इस पुल के निर्माण के दौरान अपने कर्तव्य में गंभीर लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में कोई अन्य अधिकारी या ठेकेदार अपने कर्तव्य में लापरवाही न बरतें।

तापी जिले में “समाकांठ” रेत खनन परमिट को रद्द करने के ज्ञापन पर नियमानुसार कार्यवाही करने सीएमओ का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सहकारिता एवं किसान नेता तथा गुजरात प्रदेश कांग्रेस महासचिव दर्शन नायक द्वारा मुख्यमंत्री, भूविज्ञान गांधीनगर को ७-१२-२०२३ को दिए गए ज्ञापन में कहा है कि तापी जिले के निजर/कुकरमुंडा तालुका के विभिन्न गांवों में तत्कालिन भूविज्ञानी की ड्यूटी के दौरान रेत खनिज खदानों में कुछ विशेष रेत पट्टे स्वीकृत किए गए थे। सामाकांठा रेती खनन की परमिशन रद्द कर सरकारी तिजोरी को नुकसान करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को कानूनी कार्यवाही की मांग की थी। दर्शन नायक के ज्ञापन पर मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा १६-१२-२०२३ को अधिक मुख्य सचिव उद्योग और खान खनन विभाग गांधीनगर को नियामानुसार कार्यवाही करने और कार्यवाही की रिपोर्ट संबंधित विभाग को सूचति करने का आदेश दिया गया है। तत्कालिन भूविज्ञानी की मिलीभगत में च्सामाकाठाज्ञ के इन सभी क्षेत्रों में पट्टे में रेत परिवहन के लिए कोई सड़क नहीं होने का कारण दिखाकर गांवों में रेत के पट्टे की अनुमति देने के बाद नदी बेल्ट की सरकारी बंजर भूमि में रेत के अनधिकृत खनन के लिए ऐसी अनुमति दी गई थी। कलेक्टर तापी द्वारा बताया गया कि जिस समय यह अनुमति दी गई थी, उस समय जिस स्थान पर अनुमति दी गई थी, वहां तक परिवहन के लिए कोई सड़क नहीं थी। इसलिए यदि इसी बैंक की अनुमति से पहले रेत पट्टे में वार्षिक (जे) फॉर्म की जांच की जाए, तो पता चल जाएगा कि पट्टे में सभी रेत को परिवहन करने का कोई तरीका नहीं था। तो इस सड़क के बिना इस रॉयल्टी का उपयोग कहां और कैसे होता? तो इन सभी रॉयल्टी का उपयोग महाराष्ट्र या कुकरमुंडा/निज़र के पास किसी अन्य स्थान पर अवैध रॉयल्टी के रूप में किया गया होगा? और ये सारी जानकारी जिला भूवैज्ञानिक को दिए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? तो क्या इन सभी अनाधिकृत रेत खनन में तापी जिले के प्रशासनिक तंत्र के जिम्मेदार अधिकारी की बड़ी भूमिका होगी?

अनधिकृत रेत खनन की जांच करने और जिम्मेदार व्यक्तियों और अधिकारियों पर कानूनी दंडात्मक कार्रवाई की मांग दर्शन नायक द्वारा की थी

कलेक्टर तापी के समक्ष प्रस्तुत कर कहा कि पट्टाधारक उन्हें दिए गए कावोरि लिज़ो क्षेत्र के अलावा अन्य तटों पर सादे रेत खनिज का खनन कर रहे हैं। इस अभ्यावेदन के आधार पर, पट्टेदारों द्वारा २०/०४/२०२३ को १२ः०० बजे आयोजित आमने-सामने की सुनवाई में एक लिखित अभ्यावेदन दिया गया था।

गुजरात के सबसे बड़े गैस रिफिलिंग घोटाले का भंडाफोड़, २८ लाख का मालसामान जब्त

गैस एजेंसी के लोग घरेलू गैस सिलेंडर से गैस चोरी कर अन्य छोटी बोतलों में भरते थे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

घरेलू गैस बोतलों से अवैध छोटी बोतलों में गैस भरकर बेचने का घोटाला सूरत से पकड़ा गया है। ओलपाड पुलिस और एलसीबी ने ओलपाड गांव स्थित पिंकी गैस एजेंसी पर छापा मारा। पूरे मामले में २८ लाख के माल के साथ पुलिस ने ४ लोगों को गिरफ्तार किया है और ८ को वांछित घोषित किया है।

प्राप्त विवरण के अनुसार ओलपाड गांव में गुजरात राज्य का सबसे बड़ा गैस रिफिलिंग घोटाला चल रहा था। सूचना मिलने पर ओलपाड पुलिस और एलसीबी ने संयुक्त छापेमारी की। चौंकाने वाली जानकारी मिली थी की मासमा गांव की पिंकी गैस रिफिलिंग एजेंसी महीने में १६ किलो गैस की बोतलों से गैस निकालती थी और उस गैस को दूसरी बोतलों में भरकर बेचती थी। इतना ही नहीं बल्कि खुलासा हुआ है कि पिंकी गैस सर्विस का मालिक अपने लोगों के साथ मिलकर पिछले ७ महीने से गैस चोरी का गोरखधंधा चला रहा है।

ओलपाड पुलिस और एलसीबी द्वारा सुबह तड़के पिंकी गैस रिफिलिंग एजेंसी में की गई छापेमारी में बड़े खुलासे हुए हैं। जब छापेमारी की गयी तो गैस एजेंसी के लोग घरेलू गैस सिलेंडर से गैस चोरी कर अन्य छोटी बोतलों में भर रहे थे। वे प्रति बोतल डेढ़ से दो किलो गैस चोरी कर रहे थे।

जांच में पता चला कि गैस एजेंसी का मालिक शांतिलाल पटेल इंडियन गैस की एजेंसी चला रहा था। वह पिछले ७ महीने से ज्यादा समय से इस नेटवर्क को चला रहा था। जो लोगों को काम पर रखकर उनसे अवैध तरीके से इस नेटवर्क को चला रहा था। पूरे घोटाले की खबर सामने आते ही पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी में पुलिस ने ४ को गिरफ्तार किया और ८ को वांछित घोषित किया।

गिरफ्तार आरोपी

- महिपाल मगलाराम खीचश
- मानाराम भादुलाल परमार
- सुनील भागीरथराम बरड
- सुरेंद्र उर्फ पिंटू नेताराम डारा

वांछित अभियुक्त

- पिंकी गैस एजेंसी की मालिक जयश्रीबेन आर. गामित
- एजेंसी मालिक मनोज भाई आर. गामित
- गोदाम प्रबंधक परेशभाई शांतिलाल पटेल